दैनिक
इंटीग्रेटेड ट्रेड
डेवलपमेंट सेंटर न्यूज

आईटीडीसी इंडिया प्रेस | 2018 में स्थापित | ITDCNEWS.COM

आरएनआई नं.
MPHIN/2018/77221
डाक पंजीयन नं.
MP/BHOPAL/4-504/2020-22

वर्ष-5 अंक-191, शुक्रवार 27 मई 2022, पृष्ठ-8, मूल्य-2 रुपए

सुविचार

"सफलता का एक ही सूत्र है और वह जब अन्य हिम्मत हार चुके हों तो भी आप डटे रहते हैं।"
- विलियम फैदर

दिल्ली के नए एलजी बोले- मेरा सपना, शहर को सिटी आफ जॉय बनाऊं

नई दिल्ली , एजेंसी। विनय कुमार सक्सेना ने बृहस्पतिवार को दिल्ली के 22वें उपराज्यपाल के रूप में शपथ ली है। दिल्ली उच्च न्यायालय के कार्यवाहक न्यायाधीश विपिन सांघी ने विनय कुमार सक्सेना को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। वहीं, इस मौके पर विनय कुमार सक्सेना ने मीडिया से रूबरू होने के दौरान कहा कि वह एलजी की तरह नहीं, बल्कि लोकल गार्जियन की तरह काम करेंगे। इसके साथ ही यह भी कहा कि वह राजनिवास में नहीं, बल्कि सड़कों पर ज्यादा रहूंगा। वायु प्रदूषण कम करने के लिए काम करेंगे। उन्होंने कहा कि दिल्ली में पिछले दिनों काफी खून भी बहा है। दंगे हुए हैं। मेरा कहना है कि सभी धर्मों के लोग एक हैं, आपस में मिल जुलकर रहें। मेरा सपना है कि दिल्ली को सिटी आफ जॉय बनाऊं। यहां पर बहुत बड़ा तबका असंगठित क्षेत्र के लिए काम करता है, उनकी बेहतरी के लिए भी काम करना है। इससे पहले बुधवार सुबह तकरीबन साढ़े 11 बजे दिल्ली हाई कोर्ट के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश विपिन सांघी ने उन्हें पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। राजनिवास में आयोजित समारोह में केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह, दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष रामनिवास गोयल, मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, सांसद मनोज तिवारी, कई मंत्री, विधायक और बड़ी संख्या में नौकरशाह भी मौजूद रहे।

अनिल परब के खिलाफ यह कार्रवाई क्यों की गई है- डिप्टी सीएम अजीत पवार

मुंबई। महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम अजीत पवार ने छापेमारी पर कहा -केंद्रीय जांच एजेंसियों को (खोज और छापेमारी करने का) अधिकार है, लेकिन उन्हें शक्तियों का दुरुपयोग नहीं करना चाहिए। पता नहीं राज्य मंत्री अनिल परब के खिलाफ यह कार्रवाई क्यों की गई है। मैं केवल इतना कहना चाहता हूं कि कार्रवाई पारदर्शी तरीके से होनी चाहिए।

भारतीय नौसेना ने मिसाइल प्रणाली का किया सफल परीक्षण

नईदिल्ली। भारतीय नौसेना ने कम उड़ान वाले लक्ष्य को मारकर अपनी जहाज आधारित सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल प्रणाली का सफलतापूर्वक परीक्षण किया। यह परीक्षण बल द्वारा पश्चिमी समुद्र तट पर तैनात एक स्टील्थ फ्रिगेट से किया गया था।

हरियाणा के एक कबाड़ गोदाम में लगी आग

गुरुग्राम। गुरुग्राम के सेक्टर 17-18 में एक कबाड़ के गोदाम में आग लगी। दमकल की गाड़ियां मौके पर मौजूद। एक दमकल कर्मचारी ने बताया, यहां दमकल की 5 गाड़ियां मौजूद हैं, आग लगने का कारण पता नहीं लगा है। अभी किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।

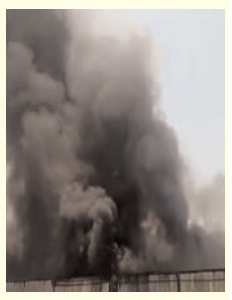

ओवैसी के गढ़ में योगी की तारीफः हैदराबाद में पीएम मोदी बोले-

योगी अंधविश्वास नहीं मानते तेलंगाना को भी इससे बचाना है

हैदराबाद। पीएम मोदी गुरुवार को तेलंगाना दौरे पर पहुंचे हैं। हैदराबाद के बेगमपेट एयरपोर्ट के पास भाजपा कार्यकर्ताओं की एक रैली में उन्होंने परिवारवाद और अंधविश्वास पर निशाना साधा। क्रू ने कहा- मैं तेलंगाना की धरती से ष्टरूयोगी आदित्यनाथ जी को भी बधाई देता हूं। उनको किसी ने कहा कि फलां जगह पर नहीं जाना चाहिए, लेकिन योगी जी ने कहा कि मैं विज्ञान पर विश्वास करता हूं और वो चले गए।

आज वो दोबारा मुख्यमंत्री बने हैं। अंधविश्वास को बढ़ावा देने वाले लोगों से हमें तेलंगाना को भी बचाना है। उन्होंने कहा कि परिवारवाद ने युवाओं से राजनीति का मौका छीना है। अंधविश्वासी लोग तेलंगाना का विकास नहीं चाहते।

परिवारवाद ने युवाओं के सपने कुचले

क्रू ने कहा कि तेलंगाना के लोग देख रहे हैं कि जब एक परिवार को समर्पित पार्टियां जब सत्ता में आती हैं, तो कैसे उस परिवार के सदस्य भ्रष्टाचार का सबसे बड़ा चेहरा बन जाते हैं। परिवारवादी पार्टियां सिर्फ अपना विकास करती हैं, अपने परिवार के लोगों की तिजोरियां भरती है।

परिवारवाद की वजह से देश के युवाओं और प्रतिभाओं को राजनीति में आने का अवसर भी नहीं मिलता है। यह उनके हर सपनों को कुचलता है, उनके लिए हर दरवाजा बंद करता है। इसलिए, आज 21वीं सदी के भारत के लिए परिवारवाद से मुक्ति, परिवारवादी पार्टियों से मुक्ति एक संकल्प भी है।

परिवारवाद खत्म करने की जिम्मेदारी तेलंगाना के लोगों की

प्रधानमंत्री ने कहा कि दशकों तक चले तेलंगाना आंदोलन में हजारों लोगों ने अपना बलिदान दिया था। ये बलिदान तेलंगाना के भविष्य के लिए था। ये बलिदान, तेलंगाना की आन-बान-शान के लिए था। तेलंगाना आंदोलन इसलिए नहीं चला था कि कोई एक परिवार तेलंगाना के विकास के सपनों को लगातार कुचलता रहे। जहां- जहां परिवारवादी पार्टियां हटी हैं, वहां- वहां विकास के रास्ते भी खुले हैं। अब इस अभियान को आगे बढ़ने की जिम्मेदारी तेलंगाना के मेरे भाइयों बहनों की है।

प्रधानमंत्री ने गुरुवार को हैदराबाद में इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस के कार्यक्रम में हिस्सा लिया। आज इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस के 20 साल पूरे हो रहे हैं। इस कार्यक्रम में पीएम ने कहा- इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस एशिया में टॉप बिजनेस स्कूल में शामिल है। यहां के छात्रों ने कई स्टार्टअप बनाए। यह इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस के लिए उपलब्धि और देश के लिए गौरव की बात है। भारत आज डेवलपमेंट के एक बड़े सेंटर के तौर पर उभर रहा है। पिछले साल भारत में अब तक रिकॉर्ड एफडीआई आया है। आज दुनिया ये महसूस कर रही है कि इंडिया मीन्स बिजनेस। कोविड वैक्सीन को लेकर हमारे यहां चिंता जताई जा रही थी कि विदेशी वैक्सीन मिल पाएगी भी या नहीं। लेकिन हमने इतनी वैक्सीन बनाई कि भारत में भी 190 करोड़ से ज्यादा डोज लगाए जा चुके है।

ब्रह्माकुमारीज के सेंटर में बीके नीता बहन से डॉ. केसवानी ने की मुलाकात

भोपाल। भारतीय जनता पार्टी के मप्र प्रवक्ता दुर्गेश केसवानी ने बुधवार को ब्रह्मकुमारी के नीलबड़ स्थित सेंटर सुख शांति भवन में जाकर यहां की संचालिका बीके नीता बहन से मुलाकात कर विशेष चर्चा की। राष्ट्र के विकास में आम लोगों का खास महत्व होता है। इसे लेकर डॉ?. केसवानी ने कहा कि यदि संस्था के साथ मिलकर वे भविष्य में होने वाले कार्यक्रमों में कुछ सहयोग कर सकें, तो यह उनका सौभाग्य होगा। गौरतलब है कि ब्रह्माकुमारीज आजादी के अमृत महोत्सव के तहत कई सामाजिक कार्यों को कर रही हैं। जिसमें सड़क सुरक्षा, पर्यावरण और कृषि को लेकर कई विशेष कार्य किए जा रहे हैं।

इन क्षेत्रों में होगा सहयोग

डॉ. केसवानी ने कहा कि इस दौरान पर्यावरण, जल संरक्षण, पौधरोपण, सड़क सुरक्षा, कृषि और महिला सशक्तिकरण जैसे मुद्दों पर विशेष कार्यक्रम किए जाएंगे। जिसका लाभ आम लोगों को भी मिले। साथ ही उन्होंने कहा कि संस्था द्वारा उन्हें किसी भी कार्य के लिए कहा जाएगा, तो वे सदैव निस्वार्थ भाव से सहयोग करने के सदैव तत्पर रहेंगे।

मंत्री अरविंद भदौरिया ने किया स्वास्थ्य मेला का उद्घाटन

भिंड। मप्र के सहकारिता मंत्री अरविंद भदौरिया ने गुरुवार को आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत भिंड स्वास्थ्य विभाग द्वारा अटेर विधानसभा के ग्राम परा में विकासखंड स्तरीय स्वास्थ्य मेला का शुभारंभ किया एवं स्वास्थ्य मेला का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। इस स्वास्थ्य मेला में अपने स्वास्थ्य की जांच करवाने आये लोगो के आयुष्मान कार्ड ,विकलांग कार्ड बनवाएं एवं साथ ही स्वास्थ्य से सम्बंधित सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ लेने की उचित जानकारी लोगो को दी। इस शिविर के जांच केंद्र में स्वंय के स्वास्थ्य की जाँच करवाकर लोगो को स्वस्थ शरीर का महत्व बताया। साथ ही उन्होंने प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजना के तहत गुरुवार को आज प्राथमिक शाला के बालक - बालिकाओं 10-10 किलो मूँग वितरित किए। शासन की योजनाओ के पात्र हितग्राहियों को लाभांश का वितरण कर अनुग्रहित किया।

लॉन टेनिस कोर्ट में सीएम ने लगाया सर्विस शॉट

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल जिला मुख्यालय जगदलपुर के इंदिरा प्रियदर्शिनी स्टेडियम पहुँचे। वहां उन्होंने खिलाड़ियों के लिए बनाए गए खेल मैदान का उदघाटन किया। मुख्यमंत्री ने खेल मैदान की तारीफ की और कहा कि यह खेल मैदान बस्तर के खेल प्रतिभाओं को तराशने तथा उन्हें जरूरी सुविधा प्रदान कर राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने में मील का पत्थर साबित होगा। उसके बाद उत्साहवर्धन करते हुए मुख्यमंत्री ने खिलाड़ियों के साथ लॉन टेनिस खेला। इस दौरान मुख्यमंत्री ने सर्विस शॉट लगाए। मुख्यमंत्री टेनिस ग्राउंड में एनर्जेटिक दिखे और कहा मैदान में सभी खेल खेलकर जाऊंगा।

सुको ने कहा- प्रॉस्टीट्यूशन भी एक पेशा, सेक्स वर्कर्स को पुलिस बेवजह परेशान न करे

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कहा कि वेश्यावृत्ति भी एक प्रोफेशन है। कोर्ट ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की पुलिस को आदेश दिया है कि उन्हें सेक्स वर्कर्स के काम में हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए। पुलिस को बालिग और सहमति से सेक्स वर्क करने वाली महिलाओं पर आपराधिक कार्रवाई नहीं करनी चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट कोरोना के दौरान सेक्स वर्कर्स को आई पर परेशानियों को लेकर दायर एक याचिका पर सुनवाई कर रहा था। कोर्ट ने कहा कि सेक्स वर्कर्स भी कानून के तहत गरिमा और समान सुरक्षा के हकदार हैं। जस्टिस एल नागेश्वर राव, जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस एएस बोपन्ना की बेंच ने सेक्स वर्कर्स के अधिकारों को सुरक्षित करने की दिशा में 6 निर्देश भी जारी किए हैं। कोर्ट ने कहा,सेक्स वर्कर्स भी देश के नागरिक हैं। वे भी कानून में समान संरक्षण के हकदार हैं।

वेश्यालय चलाना गैरकानूनी

बेंच ने कहा, इस देश के हर नागरिक को संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत सम्मानजनक जीवन जीने का अधिकार मिला है। अगर पुलिस को किसी वजह से उनके घर पर छापेमारी करनी भी पड़ती है तो सेक्स वर्कर्स को गिरफ्तार या परेशान न करे। अपनी मर्जी से प्रॉस्टीट्यूट बनना अवैध नहीं है, सिर्फ वेश्यालय चलाना गैरकानूनी है। महिला सेक्स वर्कर है, सिर्फ इसलिए उसके बच्चे को मां से अलग नहीं किया जा सकता। अगर बच्चा वेश्यालय या सेक्स वर्कर के साथ रहता है इससे यह साबित नहीं होता कि वह बच्चा तस्करी कर लाया गया है।

आठ सालों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत माता के माथे को विश्व में गौरवान्वित किया हैः गृहमंत्री डॉ. मिश्रा

भोपाल। मध्यप्रदेश के गृह मंत्री और सरकार के प्रवक्ता डॉ नरोत्तम मिश्रा ने मध्यप्रदेश के कई मुद्दों पर बयान जारी किये है, कोरोना को लेकर नरोत्तम मिश्रा ने कहा कि, प्रदेश में पिछले 24 घंटों में कोरोना संक्रमण के 53 नए केस आए हैं, वहीं 42 मरीज ठीक हुए हैं। वर्तमान में प्रदेश में कुल एक्टिव केस 307, संक्रमण दर 0.72 प्रतिशत और रिकवरी रेट 98.70 प्रतिशत है। देश की सत्ता पर नरेंद्र मोदी को काबिज हुए आठ साल पूरे हो गए हैं, इस मौके पर मध्यप्रदेश के गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने बयान देते हुए कहा कि, आदरणीय प्रधानमंत्री ने 8 साल के कार्यकाल में 60 साल की गलतियां सुधारी हैं। मोदी सरकार के 8 साल सबके साथ, सबके विश्वास और सबके विकास के हैं। आठ सालों में प्रधानमंत्री जी ने भारत माता के माथे को विश्व में गौरवान्वित किया है गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने बयान देते हुए कांग्रेस नेता राहुल पर जमकर तंज कसा है। गृहमंत्री ने कहा कि, रोम जल रहा था और नीरो बॉसुरी बजा रहा था ये कहावत कांग्रेस नेता राहुल बाबा पर एकदम सटीक बैठती है। कांग्रेस में एक के बाद एक बड़े नेता पार्टी छोड़कर जा रहे हैं और राहुल गांधी विदेश में छुट्टियां मना रहे हैं। आगे नरोत्तम मिश्रा ने बयान देते हुए कहा कि, आतंकी यासिन मलिक पर कोर्ट का फैसला आने के बाद अभी तक सोनिया, राहुल जी व दिग्विजय जी की कोई प्रतिक्रिया नहीं आना इस बात का प्रमाण है कि यासीन मलिक कांग्रेस के द्वारा पोषित एक आतंकवादी है। कांग्रेस देश तोड़ने वाले टुकड़े-टुकड़े गैंग के पीछे है और एक बार फिर यह साबित हो गया। कांग्रेस पर निशाना साधते हुए नरोत्तम मिश्रा ने कहा कि, मध्यप्रदेश में कांग्रेस अब अस्ताचल की ओर है। कमलनाथ को अपने कार्यकर्ताओं को कुछ भी सीख देने से पहले खुद को बदलना चाहिए।

गृहमंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने गुरुवार को भोपाल में कटारा हिल्स में 33 के. वी. विद्युत सब स्टेशन का लोर्कापण किया।

न्यूज ब्रीफ

सारनी ताप विद्युत गृह की यूनिट क्रमांक 10-11 को विशिष्ट कीर्तिमान बनाने के लिए मिला प्रशस्ति-पत्र

भोपाल। मध्यप्रदेश पॉवर जनरेटिंग कंपनी के सतपुड़ा ताप विद्युत गृह सारनी की 250-250 मेगावाट स्थापित क्षमता की यूनिट क्रमांक 10 एवं 11 को सतत् विद्युत उत्पादन करने के विशिष्ट कीर्तिमान एवं उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। मध्यप्रदेश पॉवर जनरेटिंग कंपनी के प्रबंध संचालक श्री मनजीत सिंह एवं डायरेक्टर कॉमर्शि?यल श्री प्रतीश कुमार दुबे ने सारनी पहुँच कर सारनी के मुख्य अभियंता, अभियंताओं और तकनीकी कर्मियों को प्रशस्ति?-पत्र प्रदान कर बधाई दी। उल्लेखनीय है कि सतपुड़ा ताप विद्युत गृह सारनी की यूनिट क्रमांक 10 ने 100 दिन तथा यूनिट क्रमांक 11 ने 200 दिन तक सतत् विद्युत उत्पादन कर नया रिकार्ड बनाया है। वर्तमान में यूनिट क्रमांक 10 पिछले 123 दिनों से सतत् बिजली उत्पादन कर रही है।

यूनिट क्रमांक 10 ने अर्जित किया 97.36 प्रतिशत का पीएलएफ:- यूनिट क्रमांक 10 का इस दौरान प्लांट अवलेबिलिटी फैक्टर (पीएएफ) 100.09 प्रतिशत, प्लांट लोड फैक्टर (पीएलएफ) 97.36 प्रतिशत, विशिष्ट कोयला खपत 0.62 किलोग्राम प्रति यूनिट, ऑक्जलरी खपत 7.86 प्रतिशत एवं विशिष्ट तेल खपत 0.03 मिलीलीटर प्रति यूनिट रही।

यूनिट क्रमांक 11 ने अर्जित किया 100.71 प्रतिशत का पीएएफ:- यूनिट क्रमांक 11 का इस दौरान प्लांट अवलेबिलिटी फैक्टर (पीएएफ) 100.71 प्रतिशत, प्लांट लोड फैक्टर (पीएलएफ) 91.92 प्रतिशत, विशिष्ट कोयला खपत 0.63 किलोग्राम प्रति यूनिट, ऑक्जलरी खपत 7.93 प्रतिशत एवं विशिष्ट तेल खपत 0.02 मिलीलीटर प्रति यूनिट रही।

राष्ट्रपति के मप्र प्रवास पर मिनिस्टर इन वेटिंग नामांकित

भोपाल। राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद 27 से 29 मई तक मध्यप्रदेश के प्रवास पर रहेंगे। भोपाल, उज्जैन और इंदौर के भ्रमण के दौरान राष्ट्रपति श्री कोविंद की अगवानी, विदाई और सत्कार के लिए मिनिस्टर इन वेटिंग नामांकित किए गए हैं। भोपाल में 27 मई 2022 को विमानतल पर नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री भूपेंद्र सिंह और राजभवन में चिकित्सा शिक्षा मंत्री श्री विश्वास सारंग, मिनिस्टर इन वेटिंग रहेंगे। शनिवार 28 मई को कुशाभाऊ ठाकरे कन्वेंशन हॉल में आयुष (स्वतंत्र प्रभार) और जल-संसाधन राज्य मंत्री श्री राम किशोर नानूराम कावरे और मोतीलाल नेहरू स्टेडियम में लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. प्रभुराम चौधरी, मिनिस्टर इन वेटिंग रहेंगे।

आँगनवाड़ियों के संचालन में समाज को जोड़ने शुरू होगा आँगनवाड़ी गोद लें अभियान : मुख्यमंत्री

» हम संकल्प लें, हर बच्चा पूर्ण स्वस्थ होगा
» बच्चों को स्वस्थ, शिक्षित और संस्कारित बनाने के महायज्ञ में प्रदेशवासी दें आहूति
» मुख्यमंत्री श्री चौहान ने प्रदेशवासियों के नाम जारी किया संदेश

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रातः 6-30 बजे टीकमगढ़ जिले की विकास गतिविधियों की समीक्षा की।

भोपाल

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि बच्चे हमारे देश का भविष्य है और स्वस्थ, शिक्षित और संस्कारित बच्चे समर्थ राष्ट्र का निर्माण करते हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में वैभवशाली, गौरवशाली, संपन्न, समृद्ध और शक्तिशाली भारत निर्माण का महायज्ञ चल रहा है। इसकी सफलता के लिए जरूरी है कि हमारे बच्चे पूर्ण स्वस्थ रहे। आँगनवाड़ी, बच्चों को स्वस्थ एवं सुशिक्षित रखने, उन्हें बेहतर संस्कार देने और उनकी बेहतर ग्रोथ का माध्यम है। आँगनवाड़ी केवल सरकार की जवाबदारी नहीं है। सरकार संसाधन जुटा रही है। पोषण आहार भेज रही है। व्यवस्थाएँ जुटा रही हैं। इसमें समाज की भी जवाबदारी है। मेरी, आपकी अपने बच्चों के प्रति जवाबदारी है और इसलिए, हमने सोचा है कि आँगनवाड़ी केवल सरकार न चलाए, सरकार के साथ समाज को भी जोड़ा जाए। इस उद्देश्य से हमने आँगनवाड़ी गोद लें अभियान प्रारंभ किया है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने मीडिया के माध्यम से प्रदेशवासियों के नाम जारी संदेश में यह बात कही। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि कई लोगों ने आँगनवाड़ी गोद ली है। लेकिन, केवल कुछ व्यक्ति ही आँगनवाड़ी गोद क्यों लें। सभी लोग आँगनवाड़ी से जुड़े। आँगनवाड़ी में संपूर्ण पोषण आहार मिले, शिक्षा देने की व्यवस्था ठीक हो, खेलकूद की व्यवस्था की जाए। आज इसकी आवश्यकता है और इसी को ध्यान में रखते हुए आँगनवाड़ी को समाज से जोड़ने के लिए आँगनवाड़ी में संपूर्ण संसाधनों की व्यवस्था के लिए मैं, भोपाल में हाथ ठेला लेकर निकला था। बच्चों के लिए खिलौने और अन्य सामग्री एकत्रित करने के लिए लोगों ने दोनों हाथ खोल कर सहयोग दिया। मैं तो हाथ ठेला लेकर निकला था, लेकिन खिलौनों से ट्रक भर गए। अनेक प्रकार की सामग्री आ गई, लाखों रूपए के चेक और कमिटमेंट आ गए। मैं भावविभोर हूँ, मेरा उत्साह और बढ़ गया है। इसलिए समाज को आँगनवाड़ी से जोड़ने का अभियान अब एक सामाजिक आंदोलन बन रहा है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि मैं आपसे विनम्र अपील करता हूँ कि आप भी इस अभियान से जुड़िए, आंदोलन से जुड़िए, आप आँगनवाड़ी की आवश्यकताओं की पूर्ति में सहयोग कर सकते हैं। किसान हैं तो अनाज दे दीजिए, व्यापारी हैं तो सामग्री दीजिए, उद्योगपति, कर्मचारी, अधिकारी सामाजिक और अन्य काम में लगे व्यक्ति हैं, तो जो आपका सामर्थ्य हो, उस क्षमता से आँगनवाड़ी के लिए कुछ न कुछ जरूर दें। आप अपना जन्म-दिन आँगनबाड़ी के बच्चों के साथ मनाएँ। आप न जाये तो वहाँ दूध, फल, पोषण समग्री भिजवा दें। माता-पिताजी की पुण्य-स्मृति में आप आँगनवाड़ी में भोजन करा सकते हैं। बच्चों के जन्म-दिन पर आँगनवाड़ी में सामग्री भेंट कर सकते हैं। इसलिए मैं, आज आपसे भावुक अपील कर रहा हूँ। आँगनवाड़ी से जुड़िए, मतलब अपने बच्चों से जुड़िए और अपने देश के भविष्य से जुड़िए। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने नागरिकों से अपील की कि वे अपने शहर, गाँव में आँगनवाड़ी के लिए सामान एकत्रित करने निकलें और आँगनवाड़ी में सामग्री भेंट करें। जब मैं, हाथ ठेला लेकर निकल सकता हूँ तो आप भी क्यों नहीं निकल सकते हैं। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने प्रदेशवासियों को संकल्प दिलाते हुए कहा कि आइए, हम संकल्प ले कि प्रदेश में हर बच्चा सम्पूर्ण स्वस्थ होगा, कोई अंडरवेट नहीं रहेगा, आँगनवाड़ी में पोषण आहार की कमी नहीं रहेगी, बाकी आवश्यकता की पूर्ति हम करेंगे, समाज करेगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि आँगनवाड़ी से समाज को जोड़ने का अभियान बच्चों को स्वस्थ, शिक्षित और संस्कारित बनाने का महायज्ञ है। इसमें प्रदेशवासी भी अपनी आहूति दें।

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल का मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने पुष्प-गुच्छ भेंट कर अभिवादन किया।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने बरगद और नीम के पौधे रोपे

भोपाल

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने आज स्मार्ट सिटी उद्यान में नीम और बरगद का पौधा लगाया। दूरदर्शन दिल्ली के एंकर और संवाददाता श्री आदित्य श्रीवास्तव, मातृ-भूमि पब्लिक वेलफेयर सोसाइटी के श्री शुभम शिंदे, कुमारी श्रृंखला डोरे, कुमारी महिमा वर्मा और श्री विजय सिंह ने भी पौध-रोपण किया। सोसायटी गरीब बच्चों की मदद के साथ निराश्रित बुजुर्ग व्यक्तियों को भोजन, उनके स्वास्थ्य की देखभाल और नियमित पॉकेट मनी उपलब्ध कराने की गतिविधि में संलग्न है। साथ ही सोसायटी द्वारा नशा मुक्ति, पर्यावरण-संरक्षण और स्वच्छता के क्षेत्र में भी कार्य किया जा रहा है। आज लगाए गए बरगद के पेड़ को वट वृक्ष या बड़ भी कहा जाता है। बरगद का धार्मिक महत्व है, आयुर्वेद के अनुसार बरगद के पेड़ से कई बीमारियों का इलाज संभव है। एंटीबायोटिक तत्वों से भरपूर नीम को सर्वोच्च औषधि के रूप में जाना जाता है।

टीकमगढ़ जिले की पानी और पलायन समस्या के स्थाई समाधान के लिए राज्य शासन प्रतिबद्ध : मुख्यमंत्री चौहान

» राज्य शासन 22 हजार 500 करोड़ रूपये बिजली सब्सिडी दे रही है, प्रदेशवासी बिजली बचाकर 5 हजार करोड़ बचा सकते हैं
» पाइप लाईन के लिए खोदी गई सड़कों की भराई के बाद ही ठेकेदारों को किया जाए भुगतान
» एक अक्टूबर को मनेगा टीकमगढ़ का गौरव दिवस

भोपाल

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि बिजली की बचत के लिए प्रदेशवासियों का जागरूक और सक्रिय होना आवश्यक है। राज्य सरकार बिजली की सब्सिडी के लिए 22 हजार 500 करोड़ रूपए दे रही है। यदि जनता जागरूक हो और बिजली बचाने में सहयोग करें तो लगभग 5 हजार करोड़ रूपये बचाए जा सकते हैं। इससे पर्यावरण सुधारने में भी मदद मिलेगी। प्रदेश में सघन रूप से ऊर्जा साक्षरता अभियान का संचालन आवश्यक है। हमें अपने घर, कार्यालय और कार्य-स्थल पर बिजली बचाने के लिए लोगों को संवेदनशील बनाना होगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि टीकमगढ़ में पानी और पलायन मुख्य समस्या है। इसके लिए तात्कालिक और दीर्घकालिक योजनाएँ बनाकर समस्याओं का स्थाई समाधान करने के लिए राज्य शासन प्रतिबद्ध है। अमृत सरोवर, जलाभिषेक अभियान की गतिविधियों के क्रियान्वयन से भू-जल स्तर बढ़ाकर पानी की समस्या का स्थाई समाधान किया जा सकता है। आजीविका मिशन में महिला स्व-सहायता समूह को सक्रिय करते हुए उन्हें स्व-रोजगार से जोड़ना, पलायन पर नियंत्रण में प्रभावी सिद्ध होगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान गुरूवार को प्रातः 6.30 बजे टीकमगढ़ जिले की विकास गतिविधियों, जन-कल्याणकारी योजनाओं और कानून-व्यवस्था की स्थिति की समीक्षा कर रहे थे। निवास कार्यालय से हुई बैठक में टीकमगढ़ जिले के प्रभारी और चिकित्सा शिक्षा मंत्री श्री विश्वास सारंग, टीकमगढ़ विधायक श्री राकेश गिरि, जतारा विधायक श्री हरिशंकर खटीक, पृथ्वीपुर विधायक डॉ. शिशुपाल यादव, खरगापुर विधायक श्री राहुल सिंह लोधी,कलेक्टर श्री सुभाष कुमार द्विवेदी सहित प्रशासनिक और पुलिस अधिकारी बैठक में वर्चुअली सम्मिलित हुए। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने जिले में हुए नवाचार, पेयजल आपूर्ति की स्थिति, राशन वितरण, प्रधानमंत्री आवास योजना, आँगनवाड़ियों के संचालन, अमृत सरोवर योजना और कानून-व्यवस्था की स्थिति की समीक्षा की।

दैनिक इंटीग्रेटेड ट्रेड
डेवलपमेंट सेंटर न्यूज
मध्य भारत का एक विश्वसनीय दैनिक | 98 26 22 00 22
अर्थव्यवस्था, शिक्षा,
नियोजन, उद्भव,
पर्यावरण, मनोरंजन.
आपकी बात
आपके साथ
We Are One- Veer
PRESS ITDC ITDC NEWS

ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने गंदगी मिलने पर व्यक्त की नाराजगी

भोपाल

ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने ग्वालियर के वार्ड 9 एवं 11 में सुबह 5 बजे घर-घर पहुँचकर पेयजल, विद्युत, सड़क, सीवर, राशन की पात्रता पर्ची, स्वच्छता से संबंधित कार्यों को देखा।उन्होंने आमजन से चर्चा कर क्षेत्र में किए जा रहे विकासात्मक कार्यों की जानकारी ली। वार्ड 9 के रागियाना मोहल्ला में पानी कम मिलने के साथ गंदगी की समस्या मिली। मंत्री श्री तोमर ने संबंधित अधिकारी पर नाराजगी व्यक्त की तथा प्रतिदिन सफाई के निर्देश दिए। ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने शहर नाका से वार्ड- 11 के ठाकुर मोहल्ला, पुरानी पुलिस चौकी, वार्ड -9 के रगियाना मोहल्ला, कुशवाह मोहल्ला, रानीपुरा में घर-घर पहुँचकर लोगो से सड़क, सीवर, साफ-सफाई, पेयजल, विद्युत आपूर्ति सम्बंधित व्यवस्था के बारे में चर्चा कर क्षेत्र की समस्याओं की जानकारी ली। आमजन का कहना था कि सड़क, सीवर, पानी, बिजली सहित अन्य मूलभूत सुविधाओं में पहले से निरन्तर सकारात्मक सुधार हो रहा है। श्री तोमर ने निरीक्षण में पायी गई कमियों में आवश्यक सुधार के लिए सम्बंधित अधिकारियों को निर्देश दिए।

भैंसगांव में सीएम की जनचौपालः आर्थिक रूप से सशक्त महिलाएं अपने पतियों को दे रहीं उपहार

बिजली, सड़क से लेकर स्कूलों को बेहतर करने की घोषणा

जगदलपुर। गौठानों के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में बड़े आर्थिक बदलाव का रास्ता खुल रहा है। बकावंड विकासखंड में आयोजित भेंट मुलाकात में मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल से आर्थिक तरक्की के राह पर निकल पड़े अनेक ग्रामीणों ने अपनी कहानी साझा की। मंगनार से आई नीलिमा देवांगन ने बताया कि गोबर बेचकर उन्होंने 80 हजार रूपए की बाइक अपने पति के लिए खरीदी। सारे सपने गौठान से पूरे हो रहे हैं। गौठान के माध्यम से उनका समूह भी आर्थिक रूप से काफी सशक्त हुआ है। उन्होंने बताया कि हमारा गौठान काफी आगे चल रहा है और दस लाख रुपए हमें वर्मी खाद बेचकर प्राप्त हुआ है। 13 लाख रुपए का केंचुआ बेच चुके हैं। हम लोग सामुदायिक बाड़ी भी चलाते हैं इसके माध्यम से हमने दो लाख रुपए कमा लिये हैं। नर्सरी के माध्यम से हमने 60 हजार रुपए कमाये हैं। मछलीपालन के माध्यम से हम 60 हजार और मुर्गीपालन के माध्यम से हमने 75 हजार रुपए की आय हासिल की है। मुख्यमंत्री ने नीलिमा को बधाई देते हुए कहा कि ऐसा ही काम सभी गाँवों में होना चाहिए। ऐसे ही कृष्णा देवांगन ने मुख्यमंत्री को बताया कि उन्होंने तीन लाख रुपए का गोबर बेचा है और इस पैसे से मक्का मशीन खरीदी है। मुख्यमंत्री ने अन्य योजनाओं के क्रियान्वयन की जानकारी भी ली। लोगों ने कहा कि सभी योजनाओं का लाभ हमें मिल रहा है। भेंट मुलाकात कार्यक्रम के दौरान काष्ठ शिल्प समिति कोकापाल के सदस्यों ने मुख्यमंत्री को काष्ठ

पर उकेरे गोधन न्याय योजना की कृति भी भेंट की। दृष्टिबाधित छात्रा को स्मार्ट फोन एवं अन्य उपकरण खरीदने दिये डेढ़ लाख रुपए- भेंट मुलाकात के दौरान एक दृष्टिबाधित छात्रा भानुप्रिया आचार्य ने कहा कि मैं पढ़ना चाहती हूँ। आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं होने की वजह से दिक्कत है। उनके दृष्टिबाधित भाई थनेन्द्र ने भी संगीत सीखने की इच्छा जाहिर की। दोनों के लिए भानुप्रिया ने स्मार्ट फोन और टेप रिकार्डर की माँग की। मुख्यमंत्री ने तुरंत इसके लिए डेढ़ लाख रुपए देने की घोषणा की।काजू प्रसंस्करण केंद्र देखा, काजू कतली भी टेस्ट किया और इसे खरीदा भी- बकावंड में काजू प्रसंस्करण केंद्र स्थापित किया गया है। मुख्यमंत्री ने केंद्र का निरीक्षण किया। यहां माँ धारणी स्वसहायता समूह की महिलाओं ने उनका स्वागत कच्चे काजू की माला से किया। यहां उन्होंने काजू की प्रोसेसिंग का कार्य देखा। साथ ही उन्होंने यहां गुड़ से बनी काजू कतली का टेस्ट भी किया और इसे खरीदा भी। भेंट मुलाकात में की घोषणा- मुख्यमंत्री ने इस दौरान छोटे जीराखाल से जामागुड़ा रोड पर चितरंगा नाला में पुल निर्माण की घोषणा की। साथ ही उन्होंने बकावंड में स्वामी आत्मानंद इंग्लिश मीडियम स्कूल बनाने, सरगीपाल और सतौसा में विद्युत उपकेंद्र स्थापित करने, बकावंड में विश्राम गृह और सहकारी बैंक की शाखा आरंभ करने एवं चिउरगांव में मोबाइल टावर स्थापित करने की घोषणा की। उन्होंने छोटे देवड़ा में मिनी स्टेडियम निर्माण की घोषणा भी की।

भेंट-मुलाकात कार्यक्रम के तहत मुख्यमंत्री भूपेश बघेल आज बस्तर के भैंसगांव पहुंचे। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने इसी गांव में जनचौपाल लगाई। यहां के ग्रामीणों से वे सीधे मुखातिब हुए। साथ ही मुख्यमंत्री ने बिजली सड़क से लेकर स्कूल के उन्नयन मरने की घोषणा की है। खिलाड़ियों की मांग पर मिनी स्टेडियम बनाने का भी भूपेश बघेल ने वादा किया है।

जगदलपुर में इंदिरा प्रियदर्शिनी स्टेडियम का लोकार्पण करने के बाद मुख्यमंत्री भैंसगांव पहुंचे। भैंसगांव स्थित रूपशिला माता मंदिर (देवगुड़ी) मरम्मत कार्य का भूमिपूजन किया। साथ ही देवगुड़ी में विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की खुशहाली की कामना की। देवगुड़ी स्थल पर कदम का पौधा लगाया।

बच्चों के कहने पर कूदी रस्सी, भौंरा भी चलाया

भैंस गांव में यहीं के एक बच्चे जीवनदास ने मुख्यमंत्री को अपना लर्निंग सेंटर दिखाया। गिल्ली डंडा दिखाया, फिर भौंरे का कौशल दिखाया। जिसके बाद एक बच्ची ने मासूमियत से कहा कि मुझे रस्सी कूदना अच्छा लगता है। आप भी कूद कर दिखाइए। मुख्यमंत्री ने बच्ची की बात मानते हुए रस्सी कूद कर दिखाई। फिर भौंरा भी चलाकर दिखाया। गिल्ली डंडा भी खेला। बच्चे खुश होकर तालियां बजाने लगे।

मुख्यमंत्री ने प्रियदर्शिनी स्टेडियम में 56 करोड़ 42 लाख रुपए के 27 विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन किया गया है। इनमें 44 करोड़ 54 लाख रुपए के 17 कार्यों का लोकार्पण और 11 करोड़ 88 लाख से अधिक राशि के 8 विकास कार्यों का भूमि पूजन शामिल हैं। इसके अलावा बस्तर में ग्रास रूट लेबल पर सामुदायिक फुटबॉल को और अधिक लोकप्रिय बनाने के लिए ओडिशा भुवनेश्वर की आर्डोर फुटबॉल अकादमी, बस्तर जिला फुटबॉल संघ और बस्तर जिला प्रशासन के बीच रूह किया गया है। इससे बस्तर के खिलाड़ियों को राष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षक उपलब्ध हो सकेंगे।

जिम का किया लोकार्पण

इंदिरा प्रियदर्शिनी स्टेडियम में मुख्यमंत्री ने जिम का भी शुभारंभ किया है। मुख्यमंत्री ने जिम में ट्रेडमिल, क्रॉस ट्रेनर, एब्डोमिनल रेंज और ट्विस्टर का अवलोकन किया। यहां वेट लिफ्टर सुरेश कश्यप ने मुख्यमंत्री के सामने वेट लिफ्टिंग स्नैच का प्रदर्शन किया। मुख्यमंत्री ने सुरेश का हौसला अफजाई किया।

एक ही कैंपस में होंगे इतने गेम

जगदलपुर में इंदिरा प्रियदर्शिनी स्टेडियम कैंपस में एक साथ कई गेम्स के लिए ग्राउंड तैयार किया गया है। इस खेल परिसर में फुटबॉल, बास्केट बॉल, वेटलिफ्टिंग, रनिंग, चेस समेत अन्य खेल होंगे। सभी खेलों के लिए ट्रेनर्स भी बाहर से बुलाए जाएंगे। ताकि खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण मिल सके।

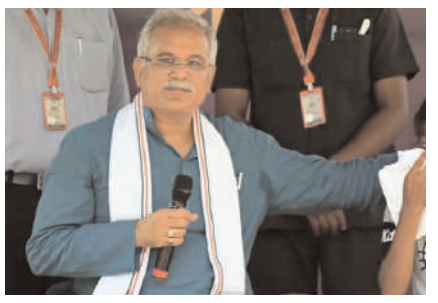

रोती हुई बेटी को सीएम ने पास बुलाया, सिर पर हाथ फेरा और पानी पिलाया

बस्तर विधानसभा का भैंसगांव ग्राम पंचायत, हजारों की भीड़ में से लोग अपनी अपनी बात मुख्यमंत्री के सामने रख रहे हैं. इस भीड़ में एक बेटी सुबक रही है, आंखों से आंसू बह रहे हैं,कोई भी ध्यान नहीं दे रहा है.लेकिन मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की पारखी नजरों ने भीड़ में भी रोती हुई बेटी को देख लिया. लोकेश्वरी नाम की बिटिया को मुख्यमंत्री ने अपने पास बुलाया, उसके सिर पर हाथ फेरा और उसे पानी पिलाया. लोकेश्वरी अब शांत थी उसने मुख्यमंत्री से बात की और बताया कि उसके पिता की 15 साल पहले मौत हो चुकी है. घर ना होने की वजह से अपनी विधवा मां और भाई के साथ अपने मामा के यहां रहने को मजबूर है. आर्थिक स्थिति खराब होने की वजह से वो और उसका भाई पढ़ाई भी नहीं कर पा रहे हैं क्योंकि घरेलू कार्यों में मां की मदद करनी पड़ती है. रोती हुई लोकेश्वरी के आंसुओं को पोंछते हुए मुख्यमंत्री ने तत्काल उसकी मदद की. मदद के लिए आवेदन की आवश्यकता थी तो बस्तर जिले के प्रभारी सचिव डॉ. अयाज भाई तंबोली ने उसका आवेदन अपने हाथों से लिखा और मुख्यमंत्री को दिया. बाल मन की संवेदनाओं को बेहतर समझने वाले मुख्यमंत्री ने इस आवेदन पर तत्काल कार्यवाही करते हुए लोकेश्वरी को 3 लाख रूपए की आर्थिक मदद स्वीकृत कर दी।

दिव्यांग बच्चों के समावेशी विकास के लिए बैठक आयोजित

रायपुर। समाज कल्याण विभाग की अध्यक्षता में विभिन्न विभागों के समन्वय के लिए हुई चर्चाछत्तीसगढ़ में मानसिक रूप से अक्षम और दिव्यांग बच्चों की समुचित प्रारंभिक देख-रेख, शिक्षा, चिकित्सा और उनके पालकों में जागरूकता के लिए समाज कल्याण विभाग की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। बैठक में दिव्यांग बच्चों को सामान्य बच्चों के साथ तालमेल बैठाते हुए समावेशी विकास की दिशा में आगे बढ़ाने पर विचार विमर्श किया गया। बैठक में समाज कल्याण विभाग के उपसचिव श्री राजेश तिवारी, चिल्ड्रन इन इंडिया संस्था के फाउंडर ट्रस्टी डॉ. संतोष जॉर्ज सहित महिला एवं बाल विकास, स्कूल शिक्षा विभाग और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी मौजूद थे।

चिल्ड्रन इन इंडिया संस्था के फाउंडर ट्रस्टी डॉ. संतोष जॉर्ज ने बताया कि भारत में हर साल जन्मे 15 लाख बच्चे जन्मजात विसंगति और लगभग 25 लाख बच्चे विकासात्मक विलम्ब से पीड़ित होते हैं। ऐसे बच्चों की समय पर पहचान और चिकित्सा होने से उन्हें सामान्य जीवन दिया जा सकता हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता की कमी के कारण ऐसे बच्चों को आंगनबाड़ी या स्कूल नहीं भेजा जाता हैं। इससे भी उनका सामान्य विकास बाधित होता है। इस दिशा में आगे बढ़कर काम करने की जरूरत है। संस्था की डिस्ट्रिक्ट कोऑडिनेटर सुश्री सरिता ने प्रेजेंटेशन के माध्यम से बताया कि सेरीब्रल पाल्सी, दृष्टि दोष, क्लब फुट, बहरापन, डाउनसिंड्रोम, डेव्हलपमेंटल डिसप्लेसिया ऑफ हिप, ऑटिज्म जैसी कई विकृतियों से ग्रसित बच्चों के स्वतंत्र और स्वावलंबी जीवन के लिए जागरूकता की जरूरत है।

समाज कल्याण विभाग के उपसचिव श्री तिवारी ने कहा कि हर बच्चों को विकास का समान अधिकार है। छत्तीसगढ़ सरकार ने इस अधिकार को सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है और लगातार प्रयास कर रही है। राज्य सरकार विभिन्न विभागों के समन्वय से विशेष आवश्यकता वाले बच्चों की पहचान कर उनके समग्र विकास का निरंतर प्रयास कर रही है। इस दिशा में बच्चों के समावेशी विकास की दिशा में पहल की जा रही है। बैठक में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, मितानिनों के सहयोग के लिए उनके प्रशिक्षण पर चर्चा की गई जिससे उन्हें विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के प्रति अधिक संवेदी और दक्ष बनाया जा सके। इसके साथ ही बच्चों के डाटा कलेक्शन, स्क्रीनिंग, थैरेपी और सोशल काउंसलिंग पर चर्चा की गई।

कलेक्टर डॉ. सिंह ने ग्राम खुड़िया में लगाई चौपाल

मुंगेली । कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह ने आज जिले के विकासखण्ड लोरमी के राजीव गांधी जलाशय(खुड़िया बांध) के तलहटी पर बसा आदिवासी बाहुल्य ग्राम खुड़िया में गुलमोहर पेड़ के नीचे बैठकर चौपाल लगाई। इस दौरान कलेक्टर को अपने बीच पाकर ग्रामीण काफी उत्साहित थे। चौपाल में कलेक्टर डॉ. सिंह ने आमलोगों की तरह ग्रामीणों के साथ बैठकर विकास और निर्माण कार्यों के साथ-साथ नागरिक केन्द्रित सेवाओं यथा वन अधिकार पट्टा, जल जीवन मिशन के कार्यों, बिजली, सड़क, राशन, पेंशन, राजस्व प्रकरण, पटवारी एवं पंचायत सचिव और चिकित्सक की उपस्थिति, आय, जाति, निवास प्रमाण पत्र, मनरेगा की मजदूरी भुगतान, बी-वन का वाचन आदि की जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों की समस्याओं के निराकरण तथा पात्रता रखने वाले लोगों को लाभांवित करने के लिए पटवारी, सचिव और ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी को प्रत्येक सोमवार और गुरूवार को पुराना पंचायत भवन में बैठने के निर्देश दिए।

पुसौर नरवा उपचार भूजल संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण और 08 गांवों के लोगों को मिल रही सिंचाई की सुविधा

कोरिया । छत्तीसगढ़ शासन की महत्वाकांक्षी योजना नरवा, गरवा, घुरवा और बाड़ी योजना के तहत नरवा उपचार से जिले में भूजल संरक्षण और सिंचाई सुविधाओं में विस्तार हुआ है, जो किसानों के लिए वरदान साबित हुए हैं। नरवा निर्माण के तहत जल आपूर्ति होने से जलविहीन क्षेत्रों में भी अन्नदाताओं के खेतों में अब फसल लहलहाने लगी है। नरवा कार्यक्रम के तहत जिले के विभिन्न नालों का जीर्णोद्धार कर नवीन रूप दिया जा रहा है। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना अंतर्गत वर्ष 2021-22 में नरवा विकास कार्यों के 12 करोड़ 56 लाख की लागत से 9 हजार 688 कार्य पूर्ण किए गए हैं। योजना के क्रियान्वयन से किसानों को राहत मिलने के साथ मनरेगा मजदूरों को रोजगार भी मिल रहा है। पुसौर नरवा उपचार से सिंचित क्षेत्रफल 1022 हेक्टेयर था, जो अब बढ़कर 1084.20 हेक्टेयर हुआ है। योजना के तहत जिले के विकासखण्ड खड़गवां में पुसौर नरवा की लंबाई 15.12 किमी है जिसका कैचमेंट एरिया 3089 हेक्टेयर है। नरवा उपचार से इस क्षेत्र में 08 गांवों के लोगों को सिंचाई का फायदा मिला है। पुसौर नरवा उपचार से ग्राम पंचायत दुबछोला, भूकभुकी, बरमपुर, मझौली, सैन्दा, पीपरबहरा, शिवपुर तथा छोटेकलुवा में जलस्तर में वृद्धि हुई है जिससे आजीविका के लिए खेती-किसानी पर निर्भर रहने वाले किसानों को सिंचाई का अच्छा साधन मिल रहा है। नरवा कार्य योजना के तहत भू जल संरक्षण के लिए ब्रशवुड चेक, लूस बोल्डर चेकडैम, गेबियन स्ट्रक्चर, स्टॉप डैम, कंटूर ट्रेंच जैसे संरचनाओं का निर्माण किया गया है। इससे कृषि कार्य मे सुविधा के साथ ही साथ मृदा का भी संरक्षण सम्भव हुआ है।

दिव्यांगजन विवाह प्रोत्साहन योजनांतर्गत 16 दिव्यांग दंपत्तियों को मिला 10 लाख की आर्थिक सहायता

बलौदाबाजार। साप्ताहिक कलेक्टर जन-चौपाल में समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित दिव्यांगजन विवाह प्रोत्साहन योजनांतर्गत 16 दिव्यांग दंपत्तियों को कुल 10 लाख रूपये की आर्थिक सहायता कलेक्टर डोमन सिंह के द्वारा दिया गया। विकासखण्ड बलौदाबाजार अंतर्गत ग्राम सरकीपार निवासी प्रभुराम पुरैना पत्नि सरस्वती बाई,सिरियाडीह से चन्द्रशेखर साहू पत्नि पूनम साहू, गिंदोला से अरूण पटेल पत्नि गंगा पटेल, सोनपुरी से अमित कुमार यादव पत्नि तरूण यादव, दशरमा से भागवेन्द्र साहू पत्नि चन्द्रकला साहू, भरसेला से दिलेश्वर प्रसाद साहू पत्नि भुनेश्वरी साहू, बरदा से प्रमोद कुमार बांधे पत्नि परमिला बंजारे, विकासखण्ड कसडोल अंतर्गत ग्राम पिसिद से भोजराम साहू पत्नि पांचो बाई साहू,विकासखण्ड बिलाईगढ अंतर्गत ग्राम पीपरडुला से श्रवण कुमार जांगडे पत्नि दुलौरिन जांगडे, ल्दी से कमल प्रसाद साहू पत्नि निर्मला कुमारी साहू, सुरगुली से देवदास मानिकपुरी पत्नि प्रतिमा मानिकपुरी,भोथीडीह से भूपेश कुमार चेलक पत्नि वृन्दा बाई चेलक, विकासखण्ड पलारी अंतर्गत ग्राम रेंगाडीह से जनकराम साहू पत्नि सुलोचना साहू विकासखण्ड सिमगा अंतर्गत ग्राम जरौदा से नूतन कुमार यदु पत्नि संतोषी यदु को दिव्यांग प्रोत्साहन राशि वितरण किया गया। इस मौके पर सभी हितग्राहियों ने सरकार एवं प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया। उप संचालक समाज कल्याण विभाग आशा शुक्ला ने कहा कि सभी दिव्यांग दम्पत्तियों को प्रोत्साहन राशि का उपयोग अपने जीविकोपार्जन कार्य में करने एवं इस योजना का प्रचार-प्रसार गांवों के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने में मदद करें। ताकि योजना का समुचित लाभ दिव्यांगजनों को मिल सकें। इस अवसर पर अपर कलेक्टर राजेन्द्र गुप्ता,मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत डॉ फरिहा आलम सिद्दकी, सहित विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी गण भी उपस्थित रहे।

श्री धन्वंतरि जेनेरिक मेडिकल स्टॉल में मिल रही सस्ती दवाइयां

विकास प्रदर्शनी में दिखी राज्य सरकार की योजनाओं की प्रगति

रायपुर। विकास प्रदर्शनी में दिखी राज्य सरकार की योजनाओं की प्रगतिजनसंपर्क विभाग द्वारा राजधानी रायपुर के साईस कॉलेज मैदान स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में छत्तीसगढ़ सरकार की योजनाओं की उपलब्धियों और कार्यक्रमों के क्रियान्वयन पर आधारित फोटो प्रदर्शनी का आयोजन किया गया है। विकास प्रदर्शनी में जनकल्याणकारी योजनाओं, विकास कार्यों एवं उपलब्धियों को आकर्षक ढंग से फोटो और वीडियो के माध्यम से प्रदर्शित किया गया है। प्रदर्शनी में राजीव गांधी किसान न्याय योजना, स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल, दाई दीदी क्लीनिक, राम वन गमन परिपथ, मुख्यमंत्री सुपोषण अभियान, गोधन न्याय योजना सहित राज्य सरकार की महत्वकांक्षी योजनाओं की जानकारी फोटो-वीडियो के माध्यम से दी जा रही है।

आज गरियाबंद जिले के विभिन्न विकासखंडों से पंचायत एवं नगरी निकाय के जनप्रतिनिधियों सहित अन्य नागरिकों ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया और इसकी सराहना की। प्रदर्शनी देखने आए ग्रामीणों ने श्री धन्वंतरि जेनेरिक मेडिकल स्टोर योजना की सराहना करते हुए कहा कि इसके माध्यम से अच्छी गुणवत्ता की सस्ती दवाएं उपलब्ध हो रही है। यह योजना पंचायत स्तर पर भी लागू होना चाहिए। जिससे लोगों को महंगाई के समय में अच्छी गुणवत्ता की सस्ती दवाइयों का लाभ मिल सकेगा।

उल्लेखनीय है कि राज्य के अलग-अलग शहरों में 194 श्री धन्वंतरी जेनेरिक मेडिकल स्टोर्स खोलने का लक्ष्य है, इनमें से 159 दुकानों का संचालन वर्तमान में किया जा रहा है। योजना से अब तक कुल 17 लाख 92 हजार ग्राहकों को लाभ मिला है। इससे दवा खरीदने वाले ग्राहकों को कुल 17 करोड़ 38 लाख रूपए की बचत हुई है।

छत्तीसगढ़ शासन द्वारा गरीब से गरीब व्यक्ति तक बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने के लिए किए जा रहे प्रयासों के अंतर्गत 20 अक्टूबर 2021 से श्री धन्वंतरी जेनेरिक मेडिकल स्टोर योजना शुरू की गई है। इस योजना के तहत राज्य के शहरी क्षेत्रों में जेनेरिक मेडिकल स्टोर्स की स्थापना की गई है।

किशोरी स्वास्थ्य दिवसों का आयोजन कर 12 हजार से अधिक किशोरियों को पोषण, माहवारी स्वच्छता और सेनेटरी नैपकिन के उपयोग के बारे में किया गया जागरूक

रायपुर। राज्य के शहरी स्वास्थ्य केंद्रों में प्रत्येक बुधवार को किशोरी स्वास्थ्य दिवस का आयोजन कर किशोरियों को पोषण, माहवारी स्वच्छता और सेनेटरी नैपकिन के उपयोग के बारे में जागरूक किया जा रहा है। विभिन्न नगरों में स्थित प्रदेश के 45 शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों और चार शहरी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में प्रशिक्षित चिकित्सा अधिकारियों, स्टॉफ नर्स तथा आरएमएनसीएच कन्सल्टेंट द्वारा दस वर्ष से 19 वर्ष की बालिकाओं को हर बुधवार को विशेष सत्र का आयोजन कर किशोरी स्वास्थ्य के संबंध में जानकारी और परामर्श प्रदान किया जा रहा है। अगस्त-2020 में शहरी स्वास्थ्य केंद्रों में किशोरी स्वास्थ्य दिवस मनाने की शुरूआत की गई थी। इन केंद्रों में अब तक 12 हजार से अधिक किशोरियों को जागरूक और शिक्षित किया जा चुका है।

संयुक्त संचालक, राष्ट्रीय शहरी स्वास्थ्य मिशन डॉ. सुरेन्द्र पामभोई ने बताया की किशोरी स्वास्थ्य दिवस पर 10 से 19 वर्ष आयु वर्ग की बालिकाओं को मितानिनों एवं एएनएम द्वारा चिन्हांकित कर शहरी स्वास्थ्य केंद्रों में लाया जाता है। इन केंद्रों में उन्हें माहवारी स्वच्छता, सेनेटरी नैपकिन के उपयोग और इससे जुड़े मिथकों के साथ ही शरीर में खून की कमी, आयरन की खुराक के महत्व, संतुलित आहार, सूक्ष्म पोषक तत्व, कुपोषण एवं उसके प्रभाव की जानकारी दी जाती है। परामर्श सत्र के दौरान रक्ताल्पता (एनीमिया) का परीक्षण एवं स्वास्थ्य की जांचकर आवश्यकतानुसार दवाईयां भी प्रदान की जाती है।

डॉ. पामभोई ने बताया कि किशोरी स्वास्थ्य दिवस के माध्यम से रायपुर जिले के बीरगांव शहरी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तथा शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों खोखोपारा, भांठागाँव, मठपुरैना, बोरियाकला, भनपुरी, राजातालाब, लाभांडी, मोवा, कांशीराम नगर, कचना, चंगोराभांठा, रामनगर, आमा सिवनी, हीरापुर, देवपुरी, बीरगांव और गोगांव में 5752 बालिकाओं को किशोरी स्वास्थ्य के संबंध में शिक्षा व परामर्श प्रदान किया गया है। बिलासपुर जिले में शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों राजकिशोर नगर, बंधवापारा और गांधी चौक में कुल 210, दुर्ग जिले के धमधा नाका, पोटिया कला, बघेरा, बैकुंठधाम, खुर्सीपार, टंकी मरोदा, कोसानगर, छावनी और चरोदा शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में कुल 2296, कोरबा जिले के गोपालपुर, कटाईनगर व ढोढ़ीपारा में कुल 1035 तथा राजनांदगांव जिले के शंकरपुर, मोतीपुर व लखोली में कुल 477 किशोरियों को शिक्षित किया गया है।

विशेष सत्रों का आयोजन कर बस्तर जिले के गीदम रोड शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में 919, रायगढ़ जिला के रामभाटा शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में 408, कांकेर के रामनगर शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में 58, जांजगीर शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में 30, कबीरधाम के बुढ़ा महादेव में पांच, मुंगेली शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में 138, महासमुंद के नयापारा शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में 157, सरगुजा के नवापारा शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में 145, धमतरी के इतवारी बाज़ार शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में 305 तथा कोरिया जिला के शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र डोमनहील में 257 बालिकाओं को किशोरी स्वास्थ्य, पोषण और सेनेटरी नैपकिन के उपयोग के बारे में जागरूक किया गया है।

संपादकीय

और अब मंकी पॉक्स

मंकीपॉक्स के केस पहले भी सामने आते रहे हैं लेकिन यह पहला मौका है जब अफ्रीका से बाहर इसका प्रसार देखा जा रहा है। हो सकता है कि यह पिछले कुछ समय से यह संक्रमण फैल रहा हो जिस पर किसी का ध्यान नहीं गया। अच्छी बात यह है कि अभी तक इस संक्रमण से किसी की मौत होने की खबर नहीं है।पहले महामारी और फिर युद्ध से उपजे मुश्किलात झेलती दुनिया के सामने मंकी पॉक्स के रूप में एक नई चुनौती आ गई है। विभिन्न देशों में इसके सौ से ज्यादा मामलों की पुष्टि होने के बाद इसे गंभीरता से लिया जा रहा है। एक सप्ताह पहले तक इसके मामले इतने कम थे कि इसे किसी तरह का खतरा नहीं माना जा रहा था। मगर पिछले कुछ ही दिनों में ब्रिटेन के साथ-साथ अमेरिका, फ्रांस, जर्मनी, ऑस्ट्रेलिया और बेल्जियम सहित 12 देशों में इसके मरीज पाए जाने की पुष्टि हो गई। यही नहीं, वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन ने कहा है कि कुछ दिनों में इसके और भी मामले सामने आ सकते हैं। हालांकि यह कोई नई बीमारी नहीं है। अफ्रीकी देशों में इसके हजारों मामले हर साल सामने आते हैं। लेकिन यह पहला मौका है जब अफ्रीका से बाहर इतने बड़े इलाके में इसका प्रसार देखा जा रहा है। इतने बड़े पैमाने पर संक्रमण का मतलब है कि यह पिछले कुछ समय से फैल रहा होगा जिस पर किसी का ध्यान नहीं गया। राहत की बात यह है कि अभी तक इन देशों में इस संक्रमण से किसी की मौत होने की खबर नहीं है। अफ्रीकी देशों के जिन इलाकों में यह बीमारी आम रही है वहां भी ज्यादातर लोग ठीक हो जाते हैं।

औसतन दस मामलों में एक मौत देखी जाती है। मगर स्मॉल पॉक्स परिवार के इस वायरस का अचानक विभिन्न महादेशों में फैलाव कैसे हो गया यह गुत्थी वैज्ञानिकों को परेशान कर रही है। इसका कोई ठोस जवाब नहीं मिल पाया है। लेकिन इस आशंका को खारिज नहीं किया जा सकता कि कहीं इस वायरस ने अपना रूप तो नहीं बदला है। अगर ऐसा हुआ होगा तो नए वेरिएंट के रूप में इसके लक्षण, संक्रमण की क्षमता वगैरह में भी परिवर्तन संभव है।

ब्रिटेन के स्वास्थ्य अधिकारी इस संभावना का पता लगा रहे हैं कि क्या सेक्स के जरिए भी इसका संक्रमण होता है? यह भी कहा जा रहा है कि चूंकि स्मॉल पॉक्स का उन्मूलन हो जाने के बाद अब उसके टीके का इस्तेमाल नहीं होता है, इसलिए संभव है कि इस वायरस के लिए तेजी से फैलना पहले के मुकाबले आसान हो गया हो। इन तमाम आशंकाओं के बीच भी घबराहट की स्थिति न बने इसके लिए यह ध्यान में रखना जरूरी है कि अभी भी मंकी पॉक्स संक्रमण के मामले बहुत कम हैं और इनके आम लोगों के बीच फैलने की गुंजाइश भी कम ही बताई जाती है। लेकिन एक बात तो यह कि ब्रिटेन में कम्युनिटी स्प्रेड शुरू हो चुका है यानी ऐसे केस सामने आ रहे हैं जिनमें संक्रमित व्यक्ति के अफ्रीकी देशों से आने वाले किसी शख्स के साथ संपर्क में आने की कोई बात नहीं है। दूसरे, इस वायरस के बारे में अब भी ज्यादा कुछ मालूम नहीं है। इसलिए किसी भी सूरत में सावधानी नहीं छोड़ी जा सकती।

राज्य सरकार का कहना है कि यह फैसला 'बच्चों को 21वीं सदी की चुनौतियों और करियर के अवसरों के लिए तैयार करने के दीर्घकालिक मकसद से लिया गया है'। आंध्र प्रदेश में 63,343 स्कूल हैं, जिनमें से 71.27 फीसदी सरकारी हैं। इनमें से ज्यादातर स्कूल पहले से ही अंग्रेजी में शिक्षा दे रहे हैं। अब यह छिपा तथ्य नहीं है कि जो बच्चे अंग्रेजी में शिक्षा पाते हैं, उनकी आय अधिक होती है और उनको जीवन में अवसर भी ज्यादा मिलते हैं। यह बेरोजगारी के खतरे को भी कम करता है। इसकी पुष्टि इस बात से भी होती है कि अधिकारी संवर्ग और अच्छी तनख्वाह वाली ज्यादातर नौकरियों में संवाद के लिए अंग्रेजी भाषा की जरूरत पड़ती है। अब तो समाज के हाशिये के लोग भी यही चाहते हैं कि उनके बच्चे अंग्रेजी में शिक्षित किए जाएं, क्योंकि वे इसे बेहतर भविष्य की राह मानते हैं।

भाषायी विवाद को आईना दिखाता आंध्र

(एस श्रीनिवासन, वरिष्ठ पत्रकार)

आंध्र प्रदेश जल्द ही देश का पहला अंग्रेजी माध्यम वाला राज्य बन सकता है, यानी यहां के सभी स्कूलों में शिक्षा का माध्यम अंग्रेजी होगा। मातृभाषा तेलुगु की शिक्षा अनिवार्य जरूर होगी, लेकिन इसे सिर्फ एक भाषा के रूप में पढ़ाया जाएगा। मुख्यमंत्री जगनमोहन रेड्डी ने अदालतों के प्रतिकूल फैसले के बावजूद यह निर्णय लिया है। उन्होंने इसके लिए एक प्रचलित रास्ता अपनाया और माता-पिता से बातचीत की। 96 प्रतिशत अभिभावकों ने अपने बच्चों की शिक्षा के लिए अंग्रेजी माध्यम का विकल्प चुना, जबकि तीन फीसदी ने तेलुगु में पढ़ाई कराने पर जोर दिया।

राज्य सरकार का कहना है कि यह फैसला 'बच्चों को 21वीं सदी की चुनौतियों और करियर के अवसरों के लिए तैयार करने के दीर्घकालिक मकसद से लिया गया है'। आंध्र प्रदेश में 63,343 स्कूल हैं, जिनमें से 71.27 फीसदी सरकारी हैं। इनमें से ज्यादातर स्कूल पहले से ही अंग्रेजी में शिक्षा दे रहे हैं। अब यह छिपा तथ्य नहीं है कि जो बच्चे अंग्रेजी में शिक्षा पाते हैं, उनकी आय अधिक होती है और उनको जीवन में अवसर भी ज्यादा मिलते हैं। यह बेरोजगारी के खतरे को भी कम करता है। इसकी पुष्टि इस बात से भी होती है कि अधिकारी संवर्ग और अच्छी तनख्वाह वाली ज्यादातर नौकरियों में संवाद के लिए अंग्रेजी भाषा की जरूरत पड़ती है। अब तो समाज के हाशिये के लोग भी यही चाहते हैं कि उनके बच्चे अंग्रेजी में शिक्षित किए जाएं, क्योंकि वे इसे बेहतर भविष्य की राह मानते हैं।

ऐसा सिर्फ दक्षिण में ही नहीं देखता। उत्तर भारत में भी लोग यही चाहते हैं। केंद्र सरकार की 2019-20 की यूडीआईएसई रिपोर्ट में देश भर के 15 लाख से अधिक स्कूलों में प्राथमिक से सीनियर सेकेंडरी तक के 26.5 करोड़ बच्चों पर अध्ययन करके बताया गया है कि अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों को ज्यादा तवज्जो दी जाती है। इस सर्वेक्षण से पता चलता है कि शिक्षा के लिए अंग्रेजी माध्यम चुनने वाले बच्चों के अनुपात में सबसे अधिक वृद्धि हरियाणा में हुई है। वहां साल 2014-15 में 27.6 फीसदी छात्रों की तुलना में 2019-20 में 23 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई, यानी यहां 50 फीसदी से अधिक बच्चे अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों में पढ़ रहे हैं।

इसी सर्वे के मुताबिक, तेलंगाना ने 2014-15 की तुलना में 21.7 फीसदी की छलांग लगाई और यहां के करीब 74 फीसदी बच्चे अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों में पढ़ते हैं। दिलचस्प है कि तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में तेलुगु माध्यम में पढ़ने वाले बच्चों का अनुपात सबसे कम है। आंध्र प्रदेश में एक तिहाई से भी कम बच्चे तेलुगु माध्यम से पढ़ाई करते हैं, जबकि केरल में मलयालम में पढ़ाई करने वाले बच्चों का प्रतिशत 35 है।

तमिलनाडु जैसे राज्य में भी, जहां पर पहचान की राजनीति मातृभाषा तमिल के ईद-गिर्द घूमती है, शिक्षा का पसंदीदा माध्यम अंग्रेजी है। वर्ष 2014-15 में यहां के 42.6 फीसदी बच्चे अंग्रेजी माध्यम से शिक्षा ले रहे थे, जिनका आंकड़ा 2019-20 में 57.6 फीसदी हो गया। कर्नाटक में भी 2014 से 2019 के बीच अंग्रेजी माध्यम को चुनने वाले बच्चों में 20 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। साफ है, जगनमोहन रेड्डी का लक्ष्य सीधा है। बेशक, तेलुगु माध्यम को खत्म करने की प्रक्रिया अब औपचारिक रूप से शुरू की जा रही है, पर यह चलन तो कई साल पहले ही शुरू हो चुका है। इसीलिए यह अनुमान लगाया जा रहा है कि अगले तीन-चार वर्षों में यहां की प्राथमिक शिक्षा पूरी तरह से अंग्रेजी माध्यम से दी जाने लगेगी, जिसका सीधा असर माध्यमिक और उच्च माध्यमिक स्कूलों पर पड़ेगा।

इससे शिक्षाविदों को जरूर परेशानी हो रही होगी, क्योंकि अधिकांश अध्ययनों से पता चला है कि बच्चों को जब मातृभाषा में शिक्षा दी जाती है, तब कहीं बेहतर नतीजे मिलते हैं। हालांकि, पूरे भारत में अंग्रेजी माध्यम के निजी स्कूलों का प्रसार हुआ है, फिर भी शिक्षक शायद ही अंग्रेजी में बात करते हैं। वहां पठन-पाठन अमूमन मातृभाषा में ही होता है। कुछ कक्षाओं में तो अंग्रेजी को भी मातृभाषा में पढ़ाया जाता है। फिर भी, सच यही है कि मध्यवर्ग का एक बड़ा तबका इस तर्क को स्वीकार करने को तैयार नहीं है। दिल्ली में ही 60 प्रतिशत स्कूलों में शिक्षा का माध्यम अंग्रेजी है।

दलित-अधिकारों की आवाज बुलंद करने वाले कांचा इलैया ने जगनमोहन के इस कदम का स्वागत करते हुए लिखा है कि यह उनके चुनावी वादों में से एक है और इसे पूरा किया जाना चाहिए। वह लिखते हैं, अगर ग्रामीण निम्न वर्ग के गरीब बच्चों के अंग्रेजी माध्यम में पढ़ने से तेलुगु भाषा मर जाएगी, तो यह तब क्यों नहीं मरती, जब अमीर घरों के बच्चे सिर्फ अंग्रेजी माध्यम के निजी स्कूलों में पढ़ने जाते हैं? महज अंग्रेजी में पढ़ाई करके वे राज्य और राष्ट्र के मुखिया कैसे बन सकते हैं? अपनी बात स्पष्ट करते हुए वह लिखते हैं, जगनमोहन रेड्डी से लेकर अखिलेश यादव, निर्मला सीतारमण, नारा लोकेश, केटी रामाराव, सचिन पायलट, आदित्य ठाकरे तक तमाम नेताओं ने अंग्रेजी माध्यम में अपनी शिक्षा हासिल की है। क्या गांवों के गरीब व निचली जाति के नौजवानों को उनकी तरह बनने का सपना नहीं देखना चाहिए?

यह भाषायी उग्र-राष्ट्रीयता या पहचान के रूप में भाषा-आधारित राजनीति करने संबंधी प्रवृत्ति के विपरीत है। इसकी वजह यही है कि भारतीय समाज स्वयं विकसित हुआ है और वर्षों से भारत की शिक्षा नीति भाषाओं को लेकर सफल साबित नहीं हो पाई है। हाल में जब केंद्रीय गृह मंत्री ने केंद्र सरकार की आधिकारिक भाषा के रूप में हिंदी को अंग्रेजी का विकल्प बनाने की बात कही, तो गैर-हिंदीभाषी राज्यों, विशेषकर दक्षिण में विरोध-प्रदर्शन हुए और उन्होंने इसे उन पर हिंदी थोपने का एक और प्रयास बताया।

इसी तरह, तमिलनाडु मेडिकल प्रवेश परीक्षा के रूप में 'नीट' का विरोध करता रहा है, क्योंकि वह मानता है कि अधिकांश ग्रामीण बच्चे तमिल भाषा में पढ़ते हैं और सीबीएसई के पाठ्यक्रम से अवगत नहीं हैं। बेशक इस तर्क में दम है, लेकिन तमिल को बढ़ावा देने के राज्य के प्रयासों के बावजूद इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि यहां अंग्रेजी माध्यम का निरंतर विकास हो रहा है। जाहिर है, यह एक ऐसा मसला है, जहां राजनीतिक वर्ग (जगनमोहन एक अपवाद हैं) लोकप्रिय धारणा के विपरीत चलता दिखता है।(ये लेखक के अपने विचार हैं)

मौसम ने बर्बाद की फसलें और हमने भोजन

गेहूं का संकट यूक्रेन-रूस युद्ध के साथ जलवायु परिवर्तन की वजह से भी पैदा हुआ है। हालात के मद्देनजर भारत को इस साल गेहूं के निर्यात पर रोक लगानी पड़ी है, जिसकी वजह से यूरोपीय देशों की चिंताएं बढ़ी हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि रूस और यूक्रेन दुनिया को एक चौथाई गेहूं की आपूर्ति करते हैं। रूस में इस साल गेहूं की अच्छी फसल हुई है, पर मौसम की वजह से यूरोप और अमेरिका में गेहूं की फसल को नुकसान हुआ है।

(पूनम गौड़)

संयुक्त राष्ट्र ने चेतावनी जारी की है कि दुनिया के पास सिर्फ 10 हफ्तों का ही गेहूं शेष है। साल 2008 के बाद यह अपने सबसे निचले स्तर पर है। अब इस संकट के बीच दुनिया की निगाहें जापान में होने वाले क्वॉड देशों की बैठक पर है। यहां यह मुद्दा प्रमुखता से उठ सकता है।

गेहूं का संकट यूक्रेन-रूस युद्ध के साथ जलवायु परिवर्तन की वजह से भी पैदा हुआ है। हालात के मद्देनजर भारत को इस साल गेहूं के निर्यात पर रोक लगानी पड़ी है, जिसकी वजह से यूरोपीय देशों की चिंताएं बढ़ी हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि रूस और यूक्रेन दुनिया को एक चौथाई गेहूं की आपूर्ति करते हैं। रूस में इस साल गेहूं की अच्छी फसल हुई है, पर मौसम की वजह से यूरोप और अमेरिका में गेहूं की फसल को नुकसान हुआ है।

भीषण गर्मी से भारत में भी गेहूं समेत रबी की बाकी फसलों का उत्पादन प्रभावित हो रहा है। इसका असर अनाज की कमी के रूप में दिखाई भी देने लगा है। वैज्ञानिकों के अनुसार अब गेहूं समेत रबी की फसलों में ऐसी वरायटी चाहिए, जो जलवायु परिवर्तन के हिसाब से बढ़ती गर्मी में भी पर्याप्त उत्पादन दे सके। कई रिपोर्टें हैं कि पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश में गेहूं की फसल गर्मी से इस बार बहुत प्रभावित हुई हैं। इन प्रदेशों में किसानों को 20 से 60 प्रतिशत तक का नुकसान उठाना पड़ रहा है। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि गर्मी समय से महीने भर पहले ही शुरू हो गई तो गेहूं के दाने मोटे नहीं हो पाए, जिसके चलते मंडियों में इसका भाव गिर गया।

गौरतलब है कि लोगों के खाने का चक्र हर साल 21 से 37 प्रतिशत तक ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन के लिए जिम्मेदार है। यानी खाने का चक्र भी धरती को गर्म करने में अहम भूमिका निभा रहा है। सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरनमेंट की 2022 की एक रिपोर्ट में बताया गया है कि ग्लोबल फूड सिस्टम से होने वाला उत्सर्जन ही धरती को 1.5 डिग्री से अधिक तक गर्म करने के लिए काफी है। इस फूड सिस्टम में फसलों के उत्पादन से लेकर परिवहन तक शामिल है। दुनिया भर के 780 करोड़ लोगों के खाने की व्यवस्था हर साल 21 से 37 प्रतिशत तक ग्रीन हाउस उत्सर्जन कर रही है।

रिपोर्ट के अनुसार पेड़ कार्बन उत्सर्जन को सोखते हैं। खेत और चारागाहों के लिए रास्ता बनाने के लिए पेड़ काटे जाते हैं। खेतों में ज्यादातर डीजल का उपयोग हो रहा है। खाद और केमिकल भी जमकर चल रहे हैं। इन्हीं सबसे ग्रीन हाउस गैस निकलती है। खेती से होने वाले जलवायु परिवर्तन को कम करने को लेकर 2021 में ग्लासो में आयोजित कॉप-26 में भी चिंता जाहिर की गई थी। लेकिन खाना इंसान की जरूरत है। खाना तो कोई नहीं छोड़ सकता, पर क्या खाना बर्बाद करना भी नहीं छोड़ सकता?

संयुक्त राष्ट्र का फूड वेस्ट इंडेक्स-2021 बताता है कि हर भारतीय साल में 50 किलो खाना बर्बाद कर देता है। इस हिसाब से देश में हर साल करीब 6.88 करोड़ टन खाना बर्बाद हो रहा है। यह हाल तब है जब देश के 14 फीसदी लोग कुपोषण के शिकार हैं। दुनिया के 107 देशों की लिस्ट वाले इस इंडेक्स में भारत 94वें पायदान पर रहा था।

विवाद का पानी

दिल्ली पिछले कई दिनों से गंभीर जल संकट से जूझ रही है। आलम यह है कि पानी पहुंचाने वाले टैंकरों को कड़ी सुरक्षा में चलाया जा रहा है, ताकि पानी को लेकर हिंसा की नौबत न आ जाए। यह चिंताजनक इसलिए है कि अगर ऐसे ही हालात बने रहे तो यह जल संकट कभी भी जल संघर्ष में बदल सकता है। यह तो अक्सर देखने में आता ही रहा है कि पानी को लेकर लोग एक दूसरे की जान तक लेने में भी नहीं हिचकते।

एक-एक बाल्टी पानी के लिए लोग रात-रात भर जाग रहे हैं। जहां पानी पहुंच रहा है वहां लंबी-लंबी कतारें लगी हैं। जिनके पास पानी खरीदने को पैसे नहीं हैं, वे गंदा पानी पीने को मजबूर हैं। जो खरीद सकते हैं, वे मुंहमांगा दाम दे रहे हैं। ऐसा नहीं कि ये हाल कुछेक इलाकों का है। आधी से ज्यादा दिल्ली पानी के लिए इसी तरह तरस रही है। यह हर साल का रोना है। लेकिन विडंबना यह है कि जल संकट के स्थायी समाधान के लिए क्या हो, इसकी फिक्र किसी को नहीं दिखती।

देश की राजधानी में ही अगर इतना गंभीर जल संकट खड़ा हो जाता है और वह भी हर साल, तो सरकारों पर सवाल उठना लाजिमी है। आखिर सरकारें कर क्या रही हैं? दिल्ली की अपनी सरकार है। केंद्र सरकार भी यहां है। देश की सर्वोच्च अदालत भी यहां बैठती है। सत्ता और शक्ति का केंद्र होने के बावजूद लाखों लोग अगर पानी के लिए तरसते हैं तो निश्चित ही इसे व्यवस्था की नाकामी का नतीजा माना जाना चाहिए।मोटे तौर पर दिल्ली में पानी का संकट तब खड़ा होता है, जब यमुना में पानी कम हो जाता है। ताजा स्थिति यह है कि वजीराबाद बैराज पर यमुना नदी का जलस्तर सामान्य से छह फीट नीचे चला गया है। यहां पानी हरियाणा से आता है। कहा जा रहा है कि अब हरियाणा, उत्तर प्रदेश और हिमाचल प्रदेश ने दिल्ली को अतिरिक्त पानी देने से मना कर दिया है। हरियाणा तर्क यह दे रहा है कि पंजाब उसे उसके हिस्से का पानी नहीं दे रहा। यानी जब पंजाब हरियाणा को पानी देगा, तब वह दिल्ली को देगा। अगर वाकई ऐसा है तो यह बेहद गंभीर बात है।

आखिर क्यों बिखरता जा रहा बंगाल में भाजपा का कुनबा

कोलकाता से सटे उत्तर 24 परगना जिले के बैरकपुर से सांसद अर्जुन सिंह की तृणमूल कांग्रेस में वापसी से जहां भगवा खेमे को करारा झटका लगा है, वहीं इससे कई अन्य नेताओं की वापसी का अंदेशा भी बढ़ गया है। अर्जुन सिंह के पुत्र और भाजपा विधायक पवन सिंह भी अगले सप्ताह तृणमूल कांग्रेस का दामन थामेंगे। अर्जुन करीब 21 साल तक तृणमूल कांग्रेस से चार बार विधानसभा चुनाव जीत चुके थे, लेकिन 2019 के लोकसभा चुनाव से ठीक पहले भाजपा में चले गए। उन्हें इसका इनाम भी मिला और वह पार्टी टिकट पाकर लोकसभा भी पहुंच गए। उनके इस्तीफे से खाली विधानसभा सीट पर भाजपा ने उनके बेटे को उतारा, और वह भी विधानसभा पहुंच गए।

(प्रभाकर मणि तिवारी, वरिष्ठ पत्रकार)

दो बहुत पुरानी कहावतें हैं- पहली यह कि राजनीति में न तो दोस्ती स्थायी होती है और न दुश्मनी। दूसरी मशहूर कहावत है- इश्क और जंग में सब कुछ जायज है। लेकिन हाल के वर्षों में इससे एक और शब्द जुड़ गया है- सियासत, यानी प्यार, युद्ध और राजनीति में सब कुछ उचित है। अनुचित कुछ भी नहीं। पश्चिम बंगाल में खासकर भारतीय जनता पार्टी के उभार के बाद ये दोनों कहावतें खूब चरितार्थ हो रही हैं। बीते साल विधानसभा चुनाव से पहले सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस से नेताओं के भाजपा में जाने की होड़ मची थी, लेकिन चुनाव नतीजों के बाद से ही यहां उल्टी गंगा बहने लगी है। ऐसे ज्यादातर लोग या तो घर वापसी कर चुके हैं, या फिर आने की हरसंभव जुगत में हैं।

कोलकाता से सटे उत्तर 24 परगना जिले के बैरकपुर से सांसद अर्जुन सिंह की तृणमूल कांग्रेस में वापसी से जहां भगवा खेमे को करारा झटका लगा है, वहीं इससे कई अन्य नेताओं की वापसी का अंदेशा भी बढ़ गया है। अर्जुन सिंह के पुत्र और भाजपा विधायक पवन सिंह भी अगले सप्ताह तृणमूल कांग्रेस का दामन थामेंगे। अर्जुन करीब 21 साल तक तृणमूल कांग्रेस से चार बार विधानसभा चुनाव जीत चुके थे, लेकिन 2019 के लोकसभा चुनाव से ठीक पहले भाजपा में चले गए। उन्हें इसका इनाम भी मिला और वह पार्टी टिकट पाकर लोकसभा भी पहुंच गए। उनके इस्तीफे से खाली विधानसभा सीट पर भाजपा ने उनके बेटे को उतारा, और वह भी विधानसभा पहुंच गए। दरअसल, हुगली के किनारे बसा बैरकपुर और उससे सटे तमाम इलाके जूट मिलों के लिए मशहूर रहे हैं, और वहां काम करने वाले ज्यादातर लोग बिहार और पूर्वी उत्तर प्रदेश से आए हुए हैं। इन लोगों में अर्जुन सिंह की खासी पैठ है। उनकी इसी काबिलियत को ध्यान में रखते हुए भाजपा ने उन्हें अपने पाले में खींचा था। पर महज तीन साल में अर्जुन का भाजपा से मोहभंग हो गया, और अब वह फिर से तृणमूल का हिस्सा बन गए हैं।

पश्चिम बंगाल में दलबदल की परंपरा नई नहीं है, लेकिन वर्ष 2014 के बाद भाजपा के उभार ने इस परंपरा को अचानक तेज कर दिया है। तृणमूल कांग्रेस भी पश्चिम बंगाल के अलावा असम, मेघालय और त्रिपुरा जैसे पूर्वोत्तर के राज्यों में दलबदल के हथियार का इस्तेमाल करते हुए कांग्रेस और भाजपा नेताओं को अपने पाले में खींच रही है। लोकसभा चुनाव में भाजपा ने राज्य की 42 में से 18 सीटें जीती थीं, लेकिन पहले आसनसोल से सांसद बाबुल सुप्रियो ने टीएमसी का दामन थाम लिया और अब अर्जुन सिंह ने। इसी तरह, विधानसभा चुनाव में भाजपा को 77 सीटें मिली थीं, लेकिन नतीजों के तुरंत बाद मुकुल राय से घर वापसी का जो सिलसिला शुरू हुआ, वह जस का तस है। उसके विधायकों की संख्या 70 रह गई है।

अर्जुन सिंह की तृणमूल वापसी में अहम भूमिका निभाई है केंद्रीय जूट नीति ने। इलाके के जूट मजदूरों के हितों का ध्यान रखते हुए अर्जुन सिंह लगातार इस नीति का विरोध कर रहे थे। उन्होंने इस मुद्दे पर केंद्र को पत्र लिखने के लिए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की सराहना भी की थी। अर्जुन की घर वापसी ने भाजपा में नए बनाम पुराने के द्वंद्व को एक बार फिर सतह पर ला दिया है। विधानसभा चुनाव में तृणमूल से आने वालों को थोक में टिकट दिए जाने का भारी विरोध हुआ था। आरोप लगा कि लंबे समय से जमीनी स्तर पर काम करने वाले लोगों की अनदेखी कर नए लोगों को टिकट दिए गए। अब अर्जुन सिंह की वापसी ने ऐसे नेताओं को एक बार फिर बोलने का मौका दे दिया है। वे कहीं तीखे हमले कर सकते हैं।

विधानसभा चुनाव के बाद से ही बंगाल भाजपा में सब कुछ ठीक नहीं चल रहा। वह पलायन, मतभेद और गुटबाजी से जूझ रही है। इसी वजह से उसे अचानक प्रदेश अध्यक्ष को बदलना पड़ा। फिर भी उसका कुनबा बिखरता जा रहा है। राजनीतिक पर्यवेक्षकों का कहना है कि विधानसभा चुनाव के बाद से शीर्ष नेतृत्व ने बंगाल के स्थानीय नेताओं की बातों पर ध्यान देना लगभग बंद कर दिया है। यही वजह है कि जूट नीति पर अर्जुन सिंह की मांगों को भी कोई तवज्जो नहीं मिली। ऐसे में, जूट मजदूरों की राजनीति करने वाले अर्जुन सिंह को अपना राजनीतिक वजूद बचाने के लिए भाजपा को छोड़ने और तृणमूल कांग्रेस में फिर से वापसी के सिवा कोई चारा नहीं बचा था।

पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी की लगातार खिसकती जमीन अगले आम चुनाव के मद्देनजर पार्टी नेताओं के लिए खतरे की घंटी है। भगवा पार्टी ने तृणमूल को मात देने के लिए जो ब्रह्मास्त्र चलाया था, वही अब उसके लिए भारी साबित हो रहा है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

लॉग टर्म कोर्स की बजाय रोजगार पर ज्यादा ध्यान दे रहे हैं आज के युवा

नौकरी तलाश करने वालों के लिए ये जो अनिष्ट ठहराव आया है, संभवत: उनके लिए एक नया रास्ता खोल दिया है, जब वे कुछ नया सीख सकते हैं और अपनी प्रक्षेत्र विशेषज्ञता को बढ़ा सकते हैं।

एक ऑनलाइन शैक्षिक कंपनी, टलेंटेज और मार्किट रिसर्च एजेंसी के एक ताजा सर्वे के अनुसार भविष्य में लंबी अवधि के कॅरियर की योजना बनाना संभव नहीं होगा, क्योंकि विकास की गति जॉब मार्केट में बढ़ रही है और युवाओं को लगातार समय की मांग के मुताबिक खुद को ऐसे परिवेश में ढालना बेहद जरूरी होगा। वहीं इससे पहले किये गए एक सर्वेक्षण के मुताबिक आधा से ज्यादा नौकरी तलाश करने वालों ने लंबी अवधि के कॅरियर के उचित अवसर और विकास के लिए अपने कौशल को बढ़ाने के लिए लॉकडाउन अवधि का उपयोग किया। नौकरी तलाश करने वालों के लिए ये जो अनिष्ट ठहराव आया है, संभवत : उनके लिए एक नया रास्ता खोल दिया है, जब वे कुछ नया सीख सकते हैं और अपनी प्रक्षेत्र विशेषज्ञता को बढ़ा सकते हैं। डेटा साइंस और एनालिटिक्स कोर्स (22 प्रतिशत), इसके बाद डिजिटल मार्केटिंग (20 प्रतिशत), और वित्त और जोखिम प्रबंधन (16 प्रतिशत) शीर्ष पाठ्यक्रमों में से थे जो नौकरी ढूढ़ने वालों द्वारा चुने गए थे।

गेजिंग इन टू द फ्यूचर

यंग इंडिया, देयर एस्पिरेशंस एंड कॅरियर चॉइस के एक सर्वेक्षण के अनुसार, अल्पकालिक पेशेवर योजना ही एक सही रास्ता है। उत्तरदाताओं ने कहा कि वे तेजी से एक 'नौकरी' के बारे में सोचेंगे और 'कॅरियर' नहीं, क्योंकि उनके आसपास की चीजें तेजी से बदल रही हैं और वे अगले पांच वर्षों में भी ऐसे जीवन कॅरियर की कल्पना नहीं कर सकते हैं जब बहुत सारे वैकल्पिक पाठ्यक्रमों के होते हुए भी शायद ही कुछ ऐसे होंगे जो एक उचित परिपेक्ष्य में, अनुकूल और लाभप्रद रोजगार दे सकेंगे। टलेंटेज ने 20,000 छात्रों में से ऐसे उत्तरदाताओं की पहचान की है जिन्होंने इस संस्था में पिछले वर्ष नामांकन किया था, उनमें से 60 उत्तरदाताओं ने इस सर्वे में भाग लेने के लिए फाइनल कट दिया है। सर्वेक्षण पर आधारित यह अध्ययन लगभग पांच वर्षों तक किया गया, जिसमें से मानव संसाधन प्रमुखों, सीएक्सओ, कॅरियर काउंसलर और समाजशास्त्रियों के उत्कृष्ट विचारों को संज्ञान में लिया गया, ताकि इस उभरते हुए झुकाव की विस्तृत तस्वीर सामने आ सके और उम्मीदवारों को सही मार्गदर्शन मिल सके। टलेंटेज के आदित्य मालिक ने एक बिजनेस समाचार पत्र में दिए गए एक वक्तव्य में बताया कि 29 साल की औसत आयु के साथ भारत 2026 तक दुनिया का सबसे युवा देश होगा। उन्होंने बताया की वो युवा भारतीयों के विचारों को, उनके कॅरियर के विकल्पों की संभावनाओं को और उनकी महत्वाकांक्षाओं के बारे में समझना चाहते थे। अध्ययन में पाया गया कि डिग्रियों का कम्पित अधिग्रहण कॅरियर का एक नया मापदंड होगा, जैसा कि उत्तरदाताओं ने कहा कि उन्हें क्रियाशील व व्यावहारिक तजुर्बों से सीखना होगा और जरूरत पड़ने पर और अधिक डिग्री हासिल करनी होगी। विशेषज्ञों ने इस सर्वेक्षण पर विचार विमर्श किया और पाया की शिक्षा सिर्फ एक बार का मामला नहीं होगा बल्कि एक सतत प्रक्रिया होगी जिसमें युवा जैसे जैसे आगे बढ़ते जायेंगे, डिग्रियां हासिल करते रहेंगे। आदित्य मालिक ने आगे बताया कि कॉर्पोरेट दुनिया के साथ बढ़ती निराशा युवाओं के जूनून को काम में परिवर्तित करने में उन्हें आगे ले जाएगी। लीक से हटकर बढ़ते हुए पाठ्यक्रमों ने नए कॅरियर को पंख दे दिए हैं। और आज के युवा भी शायद इसे ही ज्यादा महत्त्व दे रहे हैं और अपना रुझान भी इसी पर केंद्रित कर रहे हैं। विशेषज्ञों ने कहा कि उद्यमिता, रचनात्मकता और नवाचार के लिए आज एक बहुत बड़ा स्कोप खुल गया है, यह स्वीकार करते हुए कि वे इस बात को लेकर निश्चित नहीं थे कि यह कितना आकर्षक होगा, क्योंकि इसके लिए बहुत अधिक प्रयास और परिश्रम की आवश्यकता होती है। तो अगर आप एक युवा हैं और अपने कॅरियर को लेकर गंभीर हैं तो शायद आप अच्छी तरह से समझ गए होंगे कि शार्टटर्म का कोई मनचाहा कोर्स आपको सही दिशा में ले जायेगा या फिर कोई लॉन्गटर्म वाला कोर्स।

जीवाश्म विज्ञानी के रूप में तलाशें रोजगार की संभावनाएं

एक जीवाश्म विज्ञानी जीवाश्मों अर्थात प्राचीन जीवों के अवशेषों का अध्ययन करते हैं ताकि पृथ्वी या प्रागैतिहासिक जीवन पर पिछले जीवन की पड़ताल की जा सके। यह छोटे बैक्टीरिया से लेकर विशालकाय डायनासोर तक हैं, ये जीवाश्म एक अरब वर्ष पुराने भी हो सकते हैं।

पृथ्वी पर जीवन की शुरूआत लाखों-करोड़ों साल पहले ही हो गई है। ऐसे कई जीव व जानवर हैं, जो सालों पूर्व धरती पर मौजूद थे, लेकिन अब वह विलुप्त हो चुके हैं। लेकिन उनके जीवाश्म की मदद से पृथ्वी पर जीवन के इतिहास के अध्ययन को ही पेलियोन्टोलॉजी कहा जाता है। यह जीवाश्मों के अध्ययन के माध्यम से पृथ्वी पर पिछले जीवन की जांच है। जीवाश्म पौधों, जानवरों, कवक, बैक्टीरिया और अन्य एकल-कोशिका वाले जीवित जीवों के अवशेष या निशान हैं जो भूवैज्ञानिक अतीत में रहते थे और पृथ्वी की क्रस्ट में संरक्षित हैं। आमतौर पर यह माना जाता है कि पेलियोन्टोलॉजिस्ट सिर्फ डायनासोर का अध्ययन करते हैं, जबकि यह सच नहीं है। बल्कि यह जीवाश्मों की मदद से पृथ्वी पर जीवित चीजों की पूरी प्रजातियों का अध्ययन है। तो चलिए जानते हैं कि इस क्षेत्र में कैसे बनाएं करियर

क्या होता है काम

एक जीवाश्म विज्ञानी जीवाश्मों अर्थात प्राचीन जीवों के अवशेषों का अध्ययन करते हैं ताकि पृथ्वी या प्रागैतिहासिक जीवन पर पिछले जीवन की पड़ताल की जा सके। यह छोटे बैक्टीरिया से लेकर विशालकाय डायनासोर तक हैं, ये जीवाश्म एक अरब वर्ष पुराने भी हो सकते हैं। वे प्रागैतिहासिक जीवन रूपों और जीवाश्मों की परीक्षा के माध्यम से पौधे और पशु जीवन के विकास पर शोध करते हैं। वे विलुप्त प्रजातियों के बारे में जानने के लिए जानवरों की हड्डियों, गोले और कास्ट का उपयोग करते हैं। साथ ही वह जीवाश्मों का पता लगाने और जीवाश्मों के बारे में प्रासंगिक तथ्यों की पहचान करने के लिए विभिन्न वैज्ञानिक तकनीकों का उपयोग करते हैं। उनके कार्यक्षेत्र में जीवाश्मों का पता लगाना और उनकी खुदाई करना, निष्कर्षों की पहचान, अनुसंधान और उन्हें साझाकरण करना शामिल है।

पर्सनल स्किल्स

पेलियोन्टोलॉजिस्ट को कंप्यूटर की अच्छी जानकारी होनी चाहिए और सांख्यिकीय विश्लेषण में सक्षम होना चाहिए। इसके अलावा उसमें मौखिक और लिखित संचार कौशल भी होने चाहिए, क्योंकि उन्हें पेशेवरों की एक टीम के साथ काम करना होता है।
पैलियोन्टोलॉजिस्ट के पास उच्च जिज्ञासा स्तर और इमेजिनेशन पावर होनी चाहिए। उन्हें तार्किक और गंभीर रूप से सोचने में सक्षम होना चाहिए, जिज्ञासु और अत्यंत विश्लेषणात्मक होना चाहिए, और एकत्रित डेटा या जानकारी से निष्कर्ष निकालने की क्षमता भी इस क्षेत्र के लिए बेहद जरूरी है। चूंकि जीवाश्म विज्ञान एक कठिन काम है, जिसमें जीवाश्मों को खोजने और खुदाई करने के लिए बहुत से बाहरी काम करने की आवश्यकता होती है, एक इच्छुक व्यक्ति को धैर्यपूर्ण होना चाहिए।

योग्यता

पैलियोन्टोलॉजी एक विज्ञान से संबंधित लेकिन व्यापक क्षेत्र है। इसलिए एक जीवाश्म विज्ञानी को भौतिकी, रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान और भूविज्ञान को जानना आवश्यक है। जीवाश्म विज्ञान में अधिकांश प्रवेश स्तर के पदों के लिए भूविज्ञान या पृथ्वी विज्ञान में मास्टर डिग्री की आवश्यकता होती है। वहीं रिसर्च और कॉलेज टीचिंग के लिए पीएचडी होना आवश्यक है। कई भाषाओं का ज्ञान इस क्षेत्र के लिए एक अतिरिक्त लाभ है।

रोजगार की संभावनाएं

एक पेलियोन्टोलॉजिस्ट के रूप में आप कॉलेजों और विश्वविद्यालयों, अनुसंधान संस्थान, संग्रहालयों, या राज्य और संघीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षणों, प्रयोगशालाओं आदि में काम कर सकते हैं। जीवाश्म विज्ञानी सार्वजनिक व निजी दोनों ही क्षेत्रों में रोजगार की संभावनाएं तलाश सकते हैं।

आमदनी

एक जीवाश्म विज्ञानी की आमदनी उनके शिक्षा के स्तर, अनुभव व जहां पर वे काम करते हैं, उस पर निर्भर करती है। निजी क्षेत्र में आपकी योग्यता व अनुभव के आधार पर अच्छा वेतन मिलता है। शुरूआती रूप में एक जीवाश्म विज्ञानी 15000 से 25000 रूपए प्रतिमाह आसानी से कमा सकता है। इसके बाद आपके अनुभव के आधार पर आमदनी बढ़ती जाती है।

प्रमुख संस्थान

भारत में केवल एक संस्थान जीवाश्म विज्ञान में एक पाठ्यक्रम प्रदान करता है और यह हैदराबाद के बंडलागुडा में स्थित जिओलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया है।

अलग-अलग भाषाओं के साथ लैक्सोग्राफी में बना सकते हैं कॅरियर

एक लेक्सोग्राफर को संबंधित भाषा का गहरा ज्ञान होना चाहिए। अंग्रेजी पर उनकी पकड़ काफी अच्छी होनी चाहिए। साथ ही विभिन्न भाषाओं को जानने की जिज्ञासा, पढ़ने की आदत, अनुसंधान और विश्लेषणात्मक कौशल, टीम वर्क और लिखित संचार कौशल, प्रभावी समय प्रबंधन और संगठनात्मक कौशल हैं।

वर्तमान समय में, छात्रों के लिए संभावनाओं का एक खुला आसमान है, जहां पर वह विचरण करके एक सुखद व सफल भविष्य बना सकते हैं। ऐसा ही एक क्षेत्र है लेक्सोग्राफी। हो सकता है कि आपके लिए यह शब्द नया हो, लेकिन हम आपको बता दें कि शब्दकोश प्रारूप में 'शब्द' लिखने की कला को लेक्सोग्राफी कहते हैं। लैंग्वेंज स्टडी के इतिहास में इसका एक अहम्-स्थान है। जिसमें शब्दकोश निर्माण के दौरान इतिहास, थ्योरी, मैथडोलॉजी और टाइपोलॉजी शामिल है। अगर आप भी अलग-अलग भाषाओं के साथ अपना भविष्य देखते हैं तो आप लैक्सोग्राफी के क्षेत्र में अपना कॅरियर बना सकते हैं। तो चलिए जानते हैं कि इस क्षेत्र में कैसे बनाएं अपना कॅरियर-

क्या होता है काम

लेक्सोग्राफर एक प्रोफेशनल भाषाविद् होते हैं, जो डिक्शनरी, एनसाइक्लोपीडिया व अन्य रेफरेंस टेक्स्ट जैसे लॉ और मेडिकल डिक्शनरी बनाने के लिए रिसर्च, लेखन, संकलन व संपादन करते हैं। आमतौर पर, लेक्सोग्राफी को दो शाखाओं में विभाजित किया गया है, पहला प्रैक्टिकल लेक्सोग्राफी और दूसरा सैद्धांतिक लेक्सोग्राफी। प्रैक्टिकल लेक्सोग्राफी में शब्दकोशों का संकलन, लेखन और संपादन की प्रक्रिया शामिल है। वहीं सैद्धांतिक लेक्सोग्राफी में लैंग्वेंज की स्टडी और इसकी शब्दावली के अध्ययन पर ध्यान केन्द्रित किया जाता है। इस प्रकार अगर देखा जाए तो एक लेक्सोग्राफर का काम सिर्फ परिभाषाएं लिखना ही नहीं होता, बल्कि सही लोगों के लिए सही परिभाषा लिखना होता है।

पर्सनल स्किल्स - एक लेक्सोग्राफर को संबंधित भाषा का गहरा ज्ञान होना चाहिए। अंग्रेजी पर उनकी पकड़ काफी अच्छी होनी चाहिए। साथ ही विभिन्न भाषाओं को जानने की जिज्ञासा, पढ़ने की आदत, अनुसंधान और विश्लेषणात्मक कौशल, टीम वर्क और लिखित संचार कौशल, प्रभावी समय प्रबंधन और संगठनात्मक कौशल हैं। इसके अलावा आपको ग्रामाटिकल और कम्प्यूटेशनल भाषा का भी अच्छा ज्ञान होना चाहिए। एक बेहतरीन क्रिटिकल थिंकिंग, ओपन-मांइडेड, व हर छोटी बातों पर गहरी नजर होनी चाहिए। लेक्सोग्राफी एक ऐसा क्षेत्र है, जिसमें आपको कड़ी मेहनत और पूर्ण रूप से जिम्मेदारी निभाना आना चाहिए।

शैक्षणिक योग्यता - इस क्षेत्र में कॅरियर देख रहे छात्रों को अंग्रेजी या किसी अन्य संबंधित भाषा में मास्टर या डॉक्टरेट की डिग्री होना आवश्यक है। वर्तमान में देश में ऐसे कई विश्वविद्यालय हैं, जो विभिन्न भाषाओं जैसे अंग्रेजी, हिन्दी, संस्कृत, तमिल, पंजाबी आदि में लेक्सोग्राफी पाठ्यक्रम संचालित करते हैं।

संभावनाएं - लेक्सोग्राफर कई पब्लिशिंग हाउस के लिए काम करते हैं। वह अपना कॅरियर असिसटेंट एडिटर या फिर जूनियर एडिटोरियल असिसटेंट के तौर पर शुरू कर सकते हैं। कुछ अनुभव प्राप्त करने के बाद आप बतौर लेक्सोग्राफर काम कर सकते हैं।

आमदनी - यह एक ऐसा क्षेत्र है, जिसमें लोग सैलरी के लिए नहीं, बल्कि अपनी खुशी के लिए काम करते हैं। एक पब्लिशिंग हाउस में काम करने वाले लेक्सोग्राफर 15000 से 20000 रूपए प्रतिमाह कमा सकते हैं। वैसे कई लेक्सोग्राफर एक फ्रीलांसर के तौर पर काम करते हैं और इस तरह वह हर प्रोजेक्ट के लिए चार्ज करते हैं।

प्रमुख संस्थान

- डेक्कन संस्थान, पुणे
- पंजाबी यूनिवर्सिटी, पटियाला
- मद्रास विश्वविद्यालय केरल विश्वविद्यालय, केरल
- भारथिअर यूनिवर्सिटी, कोयंबटूर

डॉक्टर बनने के लिए जरूरी है नीट परीक्षा ऐसे करें तैयारी

नीट परीक्षा की योग्यता की बात करें तो 12वीं में फिजिक्स, केमिस्ट्री और बायोलॉजी सब्जेक्ट के साथ मिनिमम 50 परसेंट मार्क होना अनिवार्य है। इसके अलावा आवेदक की कम से कम 17 वर्ष की उम्र होना चाहिए।

नीट मतलब नेशनल एलिजिबिलिटी एंट्रेंस टेस्ट! यह परीक्षा देशभर में मेडिकल कॉलेजेज में एडमिशन लेने के लिए आयोजित की जाती है। 12वीं के बाद अगर आप भी डॉक्टर बनना चाहते हैं और इससे संबंधित एमबीबीएस अथवा बीडीएस की पढ़ाई करना चाहते हैं तो आप को इस नीट का एग्जाम देना ही पड़ेगा। बता दें कि नेशनल टेस्टिंग एजेंसी यानी एनटीए द्वारा इसके लिए एंट्रेंस एग्जामिनेशन प्रत्येक वर्ष आयोजित की जाती है। इस परीक्षा की योग्यता की बात करें तो 12वीं में फिजिक्स, केमिस्ट्री और बायोलॉजी सब्जेक्ट के साथ मिनिमम 50 परसेंट मार्क होना अनिवार्य है। इसके अलावा आवेदक की कम से कम 17 वर्ष की उम्र होना चाहिए।
जान लें कि अगर आपने 12वीं की पढ़ाई ठीक ढंग से की है, खासकर बायोलॉजी, फिजिक्स व केमिस्ट्री में, तो आप इस परीक्षा में बेहतर अंक प्राप्त कर सकते हैं, किंतु ध्यान रखने वाली बात यह है कि यह राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित की जाने वाली एकमात्र मेडिकल परीक्षा है। अत : कंपटीशन बेहद कठोर होता है। अत : मुश्किल तो होगी, किन्तु यह नामुमकिन कतई नहीं है! परीक्षा के माध्यम की बात करें तो हिंदी और अंग्रेजी में इसके प्रश्न दिए जाते हैं। अगर आप इस परीक्षा में पास हो जाते हैं तो ऑनलाइन इसकी काउंसलिंग होती है और नेशनल लेवल के अलावा स्टेट लेवल पर भी इसकी काउंसलिंग कंडक्ट की जाती है। इसमें अलग-अलग कैटेगरी के हिसाब से सीटों को आवंटित किया जाता है। एनटीए की ऑफिशियल वेबसाइट पर इसकी दूसरी कई जानकारियां आपको मिल जाएंगी। यहां तक कि आप मॉक टेस्ट का पेपर भी यहाँ से डाउनलोड कर सकते हैं और उस हिसाब से अपनी तैयारी को धार दे सकते हैं। कॅरियर एक्सपर्ट्स तैयारी के लिए सलाह देते हैं कि आपको काफी पहले से इस पर ध्यान देना होता है, किंतु जिस स्तर का टफ एग्जामिनेशन होता है, उसे देखते हुए आपको अंतिम के तकरीबन 2 महीने बेहद सटीकता से रिवीजन पर बिताना होगा। इसके लिए आपको न केवल स्ट्रेस से बचना होगा, बल्कि बेहतरीन तैयारी के लिए पूरी शेड्यूलिंग करके अलग-अलग सब्जेक्ट पर ध्यान देना होगा। ध्यान रहे! यह कोई साधारण एग्जामिनेशन नहीं है, इसलिए आप भिन्न एक्सपर्ट्स से मार्गदर्शन लेने में संकोच ना करें। इसमें पिछले वर्ष के टॉपर्स का इंटरव्यू आपको मिल जाएगा, जिसे आपको पढना-सुनना चाहिए। इसी प्रकार से जो दूसरे एक्सपर्ट्स हैं, उनकी राय भी आपको काफी लाभ पहुंचा सकती है। किन्तु अंत में आपका डिसिप्लिन और बेहतरीन रिवीजन के साथ मॉक टेस्ट पेपर अधिक से अधिक बार सॉल्व करना आप के लिए सबसे मददगार साबित हो सकता है। कंप्रिहेंसिव रिवीजन इसमें काफी फायदेमंद साबित होता है। इसके लिए आपको एनसीआरटी बुक्स का गहराई से अध्ययन करना चाहिए। अंत में आपको संपूर्ण सिलेबस पर ध्यान देना होता है और सिलेक्टिव टॉपिक्स को स्टडी करने से बचना है। आपको सम्पूर्ण कोर्स के अधिक से अधिक हिस्सों को, कम से कम समय में कवर करने की कोशिश करनी चाहिए। ध्यान रहे, इसका कोई शॉर्टकट नहीं है, बल्कि कड़ी मेहनत ही आपको इसमें इक्षित परिणाम दे सकती है।

ओवैसी के गढ़ में योगी की तारीफ : हैदराबाद में मोदी बोले-

योगी अंधविश्वास नहीं मानते तेलंगाना को भी इससे बचाना है

नई दिल्ली। पीएम मोदी गुरुवार को तेलंगाना दौरे पर पहुंचे हैं। हैदराबाद के बेगमपेट एयरपोर्ट के पास भाजपा कार्यकर्ताओं की एक रैली में उन्होंने परिवारवाद और अंधविश्वास पर निशाना साधा। पीएम ने कहा- मैं तेलंगाना की धरती से ष्टरू योगी आदित्यनाथ जी को भी बधाई देता हूं। उनको किसी ने कहा कि फलां जगह पर नहीं जाना चाहिए, लेकिन योगी जी ने कहा कि मैं विज्ञान पर विश्वास करता हूं और वो चले गए। आज वो दोबारा मुख्यमंत्री बने हैं। अंधविश्वास को बढ़ावा देने वाले लोगों से हमें तेलंगाना को भी बचाना है। उन्होंने कहा कि परिवारवाद ने युवाओं से राजनीति का मौका छीना है। अंधविश्वासी लोग तेलंगाना का विकास नहीं चाहते।

परिवारवाद खत्म करने की जिम्मेदारी तेलंगाना के लोगों की

प्रधानमंत्री ने कहा कि दशकों तक चले तेलंगाना आंदोलन में हजारों लोगों ने अपना बलिदान दिया था। ये बलिदान तेलंगाना के भविष्य के लिए था। ये बलिदान, तेलंगाना की आन-बान-शान के लिए था। तेलंगाना आंदोलन इसलिए नहीं चला था कि कोई एक परिवार तेलंगाना के विकास के सपनों को लगातार कुचलता रहे। जहां- जहां परिवारवादी पार्टियां हटी हैं, वहां- वहां विकास के रास्ते भी खुले हैं। अब इस अभियान को आगे बढ़ने की जिम्मेदारी तेलंगाना के मेरे भाइयों बहनों की है।

परिवारवाद ने युवाओं के सपने कुचले

पीएम ने कहा कि तेलंगाना के लोग देख रहे हैं कि जब एक परिवार को समर्पित पार्टियां जब सत्ता में आती हैं, तो कैसे उस परिवार के सदस्य भ्रष्टाचार का सबसे बड़ा चेहरा बन जाते हैं। परिवारवादी पार्टियां सिर्फ अपना विकास करती हैं, अपने परिवार के लोगों की तिजोरियां भरती है। परिवारवाद की वजह से देश के युवाओं और प्रतिभाओं को राजनीति में आने का अवसर भी नहीं मिलता है। यह उनके हर सपनों को कुचलता है, उनके लिए हर दरवाजा बंद करता है। इसलिए, आज 21वीं सदी के भारत के लिए परिवारवाद से मुक्ति, परिवारवादी पार्टियों से मुक्ति एक संकल्प भी है।

ताजमहल में नमाज पढ़ने पर 4 पर्यटक गिरफ्तार

नमाज पढ़ते वक्त सीआईएसएफ ने पकड़कर पुलिस को सौंपा, मस्जिद कमेटी का विरोध

हैदराबाद
ताजमहल की शाही मस्जिद में नमाज पढ़ने में 4 पर्यटकों को सीआईएसएफ ने पकड़ लिया। इनमें 3 पर्यटक हैदराबाद, जबकि एक आजमगढ़ का रहने वाला है। सीआईएसएफ ने चारों पर्यटकों को पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने इन चारों के खिलाफ ताजगंज थाने में केस दर्ज किया है। गुरुवार को इन सभी को कोर्ट में पेश किया जाएगा। ताजमहल मस्जिद इंतजामिया कमेटी के अध्यक्ष ने इस कार्रवाई पर नाराजगी जताई है। मामला बुधवार का है। गाइड विनय कुमार ने बताया कि चारों पर्यटकों को ताजमहल दिखाने के लिए लखनऊ से लाया था। शाम के समय जब वे ताजमहल पहुंचे तो वहां उन्होंने शाही मस्जिद में कुछ लोगों को नमाज पढ़ते हुए देखा। इसके बाद वह नमाज पढ़ने के लिए बैठ गए। फिर जैसे ही वो उठे, सीआईएसएफ और ,स्ढ्ढ यानी भारतीय पुरात्तव सर्वेक्षण विभाग के कर्मचारियों ने उन चारों को पकड़कर ताजगंज पुलिस के हवाले कर दिया।

यह हैं नमाज पढ़ने वाले 4 पर्यटक। इसमें 3 हैदराबाद के रहने वाले हैं, जबकि एक आजमगढ़ का रहने वाला

ताजमहल मस्जिद की इंतजामिया कमेटी का विरोध

इस मामले में अधीक्षण पुरातत्वविद डॉ. राजकुमार पटेल का कहना है कि एक्ट और सुप्रीम कोर्ट के आदेश के मुताबिक, ताजमहल की मस्जिद में केवल शुक्रवार का दिन नमाज पढ़ने के लिए नियत है। बाकी दिन नमाज नहीं पढ़ सकते हैं। ताजमहल एक संरक्षित स्मारक है। 2018 में ताजमहल में हर दिन नमाज पढ़ने की याचिका दायर की गई थी, लेकिन उसे खारिज कर दिया गया था। यानी, शुक्रवार को छोड़कर बाकी दिनों में नमाज नहीं पढ़ सकते हैं। ताजमहल मस्जिद की इंतजामिया कमेटी के अध्यक्ष इब्राहिम जैदी ने नमाज पढ़ने पर पर्यटकों को पकड़े जाने का विरोध किया है। उन्होंने कहा, ताजमहल की मस्जिद में कहीं भी ऐसा नहीं लिखा कि यहां पर केवल शुक्रवार को नमाज पढ़ी जाएगी। मस्जिद देखकर चारों पर्यटक नमाज पढ़ने गए थे।

दिल्ली के एलजी की शपथ में नाराज हुए हर्षवर्धन : पूर्व केंद्रीय मंत्री को कुर्सी नहीं मिली, गुस्से में समारोह छोड़कर चले गए

नई दिल्ली
दिल्ली के 22वें उप-राज्यपाल विनय कुमार सक्सेना के शपथग्रहण समारोह में एक अजब वाकया हुआ। जब इवेंट में बैठने की जगह नहीं मिलने से नाराज भाजपा सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. हर्षवर्धन समारोह छोड़कर चले गए। विनय सक्सेना को दिल्ली हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस विपिन संघी ने पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। शपथ ग्रहण में दिल्ली के ष्टरूअरविंद केजरीवाल भी मौजूद रहे।

हर्षवर्धन के नाराजगी भरे शब्द

उपराज्यपाल के शपथग्रहण से पहले ही गुस्से में जाते हुए हर्षवर्धन ने कहा, संसद सदस्यों के लिए इन्होंने सीट नहीं रखी हुई है। इतना कहकर

हर्षवर्धन अपनी गाड़ी की ओर बढ़ गए। उन्होंने दिल्ली के मुख्य सचिव नरेश कुमार से कहा, मैं उपराज्यपाल विनय सक्सेना को इस बारे में लिखूंगा पूर्व केंद्रीय मंत्री को जहां बैठाया जा रहा था वे उससे संतुष्ट नहीं थे।

यूपी में 6.15 लाख करोड़ का मेगा बजट : 2 करोड़ छात्रों को स्मार्टफोन-टैबलेट, 5 लाख नौकरियां, हर जिले में फ्री कोचिंग और स्पोर्टस सेंटर

लखनऊ
योगी सरकार 2.0 का पहला बजट आ गया है। वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने 6.15 लाख करोड़ रुपए के बजट को पूरे 90 मिनट में पढ़कर खत्म किया। यह राज्य का अब तक का सबसे बड़ा बजट है। इसमें प्रदेश की इकोनॉमी को एक ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। यह पेपरलेस बजट था, इसलिए वित्त मंत्री ने इसे एपल के कंप्यूटर पर पढ़ा। सूचना प्रौद्योगिकी एवं इलेक्ट्रानिक्स उद्योग नीति के तह 5 सालों में 40,000 करोड़ रुपए के निवेश का लक्ष्य रखा गया है। इसके जरिए 4 लाख युवाओं को रोजगार दिया जाएगा।

1. वाराणसी-गोरखपुर में मेट्रो चलेगी
2. साल में दो मुफ्त गैस सिलेंडर
3. हर जिले में स्पोर्ट्स कॉलेज
4. वृद्धों की पेंशन में 500 का इजाफा
5. 5 जिलों में एटीएस सेंटर खुलेंगे

मुख्यमंत्री ग्रामोद्योग रोजगार योजना के तहत 2022-2023 में 800 इकाईयों की स्थापना की जाएगी। इसके जरिए 16,000 लोगों को रोजगार उपलब्ध कराए जाने का लक्ष्य रखा गया। माध्यमिक शिक्षा में शिक्षक चयन में साक्षात्कार समाप्त कर 40,402 शिक्षकों की भर्ती की जाएगी और 7540 नए पदों का सृजन किया गया है। 3,000 नर्सों को राजकीय मेडिकल कॉलेजों/अस्पतालों में नियुक्ति दी जाएगी। 10,000 नए पदों पर इस साल भर्ती होगी। प्रदेश के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों के युवाओं को तकनीकी रूप से सक्षम बनाने के उद्देश्य से 5 सालों में 2 करोड़ स्मार्ट फोन या टैबलेट बांटा जाएगा। स्वामी विवेकानन्द युवा सशक्तिकरण योजना के तहत 2022-2023 के लिए 1,500 करोड़ रुपए की व्यवस्था की गई है।

न्यूज ब्रीफ

भारतीय सेना के जवानों को वीडियो मैसेज से फंसाती थी पाकिस्तान की हनीट्रैप गर्ल, कहती- तुम्हारे साथ हूं मैं

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की ढ्ढस्ढ्ढ एजेंट को सेना की सीक्रेट जानकारी देने के आरोप में एक सेना के जवान को पकड़ा गया है। इंटेलिजेंस की पूछताछ में सेना के जवान ने कई चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। इंटेलिजेंस की पड़ताल और पूछताछ में हनीट्रैप में फंसाने वाली पाकिस्तानी एजेंट के कुछ वीडियो मिले हैं। जांच में सामने आया कि पाकिस्तानी एजेंट बॉलीवुड सॉन्ग पर रील्स बनाकर सेना के जवानों को फंसाती है।
पाकिस्तानी एजेंट्स के ऐसे वीडियो पहली बार सामने आए हैं।
गिरफ्तार प्रदीप कुमार (24) मूलत- रुड़की उतराखंड का रहने वाला है। वह तीन साल से जोधपुर में तैनात था। नवंबर 2021 में पाकिस्तानी महिला एजेंट ने सबसे पहले सेना के जवान प्रदीप को कॉल किया था। इसके बाद से वह उसके जाल में फंसता गया।
प्रदीप समेत कई सेना के जवान पाकिस्तानी महिला एजेंट के निशाने पर थे। खूबसूरत दिखने वाली यह महिला एजेंट सोशल मीडिया पर कई तरह के रील्स बनाती थी। बॉलीवुड सॉन्ग पर बनाए गए रील्स वह सेना के जवान को भेजती थी, ताकि वह उस पर आसानी से विश्वास कर ले और जाल में फंस जाए।
पाकिस्तानी एजेंट के एक नहीं कई नाम
जवान प्रदीप कुमार को अपनी अदाओं के जाल में फंसाने वाली एजेंट के कई नाम हैं। खुफिया एजेंसी को पता चला है कि पाकिस्तानी महिला एजेंट प्रिया शर्मा, पायल शर्मा, हर्लीन कौर, पूजा राजपूत जैसे अलग-अलग नामों के जरिए सेना के जवानों को फंसाती थी। शॉर्ट वीडियो के जरिए वह यह विश्वास दिलाती कि वह उसके हर सुख-दुख में साथ है। ऐसी बातों और वीडियो के जरिए प्रदीप भी फंस गया।

2024 चुनाव में भाजपा का फॉर्मूला

70 प्लस नेताओं को नहीं मिलेगा लोकसभा का टिकट, 81 सांसदों का भी पत्ता कटेगा

नई दिल्ली
लोकसभा चुनाव 2024 में तीसरी बार जीत हासिल करने के लिए भाजपा ने स्ट्रैटजी बनानी शुरू कर दी है। बुधवार देर रात पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा के आवास पर कुछ चुनिंदा कैबिनेट मंत्रियों, पार्टी के प्रभारियों और सांसदों की एक मीटिंग हुई, इसमें कई निर्णय लिए गए। सूत्रों की मानें तो अब हरेक सांसदों के जिम्मे 100 बूथ और विधायकों के जिम्मे 25 ऐसे बूथ होंगे, जहां पार्टी कमजोर है। इसके साथ ही टिकट वितरण समेत कई फैसले किए गए।
70 साल से अधिक उम्र वालों को टिकट नहीं:- पार्टी के उच्चस्तर पर इस बात को लेकर सहमति बनी है कि ऐसे मौजूदा सांसद जिनका जन्म 1955 के बाद हुआ है, उन्हें ही 2024 में लोकसभा

का टिकट दिया जाएगा। इससे पहले जन्मे नेताओं को टिकट नहीं मिलेगा। यानी 70 प्लस के नेताओं को टिकट नहीं दिया जाएगा। केवल एक-दो अपवादों में ही इस नियम से छूट मिलेगी। यह नियम लागू हुआ तो भाजपा के मौजूदा 301 सांसदों में से 81 को टिकट नहीं मिलेगा।
17वीं लोकसभा में भाजपा के लगभग 25 फीसदी सांसद 2024 के चुनाव तक 70 से अधिक उम्र के हो जाएंगे। 1956 से पहले जन्मे मौजूदा सांसदों में सबसे अधिक क्क से 12, गुजरात से 10, कर्नाटक से 9, महाराष्ट्र से 5, झारखंड से 2, बिहार से 6, मध्य प्रदेश से 5 और राजस्थान से 5 हैं।

झारखंड में बंधु तिर्की के आवास पर सीबीआई रेड

देश के 18 ठिकानों पर छापेमारी; 34वें नेशनल गेम्स में घोटाले पर कार्रवाई

झारखंड
झारखंड के पूर्व खेल मंत्री बंधु तिर्की के रांची के मोरहाबादी व बनहौरा स्थित आवास में सीबीआई ने गुरुवार को छापेमारी की। बहुचर्चित 34वें राष्ट्रीय खेल घोटाले में यह कार्रवाई देशभर में करीब 18 जगहों पर चल रही है। सीबीआई की पटना टीम रांची में छापेमारी के लिए पहुंची हुई है। पटना रेंज के एक अधिकारी ने बताया कि दिल्ली हेड क्वार्टर से निर्देश पर कार्रवाई की जा रही है। अब तक की जानकारी के अनुसार झारखंड में 12, पटना में 2, दिल्ली में 2 तथा नोएडा में 2 जगहों पर सर्च अभियान चल रहा है। बंधु तिर्की के अलावा घोटाले से जुड़े सभी आरोपियों के ठिकानों पर छापेमारी हुई है। आय से अधिक संपत्ति के मामले में सजा होने के बाद विधानसभा की सदस्यता गंवा चुके बंधु तिर्की फिलहाल दिल्ली में हैं। उनकी सदस्यता खत्म होने के बाद मांडर विधानसभा सीट पर 23 जून को उपचुनाव की घोषणा भी हो चुकी है।
राष्ट्रीय खेल घोटाले में सीबीआई की रांची स्थित भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो में 22

अप्रैल को दो अलग-अलग प्राथमिकी दर्ज की गईं थीं। दोनों ही प्राथमिकी के जांच अधिकारी सीबीआई के पटना स्थित एसीबी के दो अधिकारियों को बनाया गया था। 34वां राष्ट्रीय खेल झारखंड में साल 2011 में 22 फरवरी से 26 फरवरी तक हुआ था। इसी आयोजन के दौरान घोटाले का आरोप है। पूरा घोटाला 28.34 करोड़ रुपये का है, इसमें ऊंची कीमत पर बिना टेंडर खेल सामग्री की खरीद सहित कई अन्य मामले शामिल हैं। वहीं दूसरा मामला मेगा स्पोर्ट्स कांप्लेक्स के निर्माण में अनियमितता का है, जिसका बजट 206 करोड़ से 424 करोड़ रुपये हो गया था।
बंधु तिर्की पर स्क्वैश कोर्ट के निर्माण में वित्तीय अनियमितता आरोप:- पूर्व खेल मंत्री बंधु तिर्की पर आरोप है कि उन्होंने धनबाद में दो स्क्वैश कोर्ट के निर्माण में वित्तीय अनियमितता की। स्क्वैश कोर्ट के निर्माण की जिम्मेदारी मुंबई की एक कंपनी जाइरेक्स इंटरप्राइजेज को दी गई थी। कंपनी ने 1,44,32,850 रुपये का एस्टीमेट दिया था। इस प्रस्ताव पर आयोजन समिति के महासचिव एसएम हाशमी और तत्कालीन खेल निदेशक तथा सचिव की अनुशंसा के बाद फाइल तत्कालीन विभागीय मंत्री (खेल मंत्री) बंधु तिर्की के पास भेजी गई थी।

PRESS ITDC ITDC NEWS
www.itdcindia.com

मध्य भारत से विश्वसनीय हिन्दी दैनिक समाचारपत्र
आईटीडीसी न्यूज़,

विश्वसनीयता की अपेक्षा पर सच्चा बनाने के लिए हम निरंतर कार्य कर रहे हैं,
प्रति सप्ताह आप सभी का स्तम्भ

मेरे लोग, मेरा विधान

इसके तहत हम आप सभी से अनुरोध कर रहे हैं कि
विश्लेषणात्मक रचनाएं, जनसामान्य हित में
नई जानकारियां, लेख, आलेख, टीका, विवेचना, समाचार, रोचक तथ्य,
नए प्रयास, अभिनव प्रयोग के रूप में हमें प्रेषित करें।

आपकी रचना, नाम, चित्र सहित, अधिकाधिक पाठकों तक पहुंचे,
इसके लिए हम, समाचार पत्र में प्रकाशित रचनाओं को,
देश के सभी प्रचलित सोशल मीडिया स्टैंड जैसे फेसबुक, लिंकेडीन, यूट्यूब, जीटॉक, टिवीटर, इंस्टाग्राम
व्हाट्सएप्प एवं हमारे डिजिटल स्टैंड से प्रचार-प्रसार भी देंगे।
(दीर्घ समय तक https://www.itdcindia.com/saga-news.php पर भी उपलब्ध)
जिससे लाभान्वित जनों की संख्या निरंतर बढ़ती रहे।

आप सभी इच्छुकजन अपनी गैरमानदेय,
अपठित, नवीन, मूल एवं मौलिक रचना, हिन्दी में हमें प्रेषित करें।
(और अंग्रेजी में भेजने पर केवल हमारे डिजिटल स्टैंड पर ही प्रकाशन होगा)
उक्त हेतु, आपका चित्र, नाम, शहर, मोबाइल न, आपकी रचना, मेल करें-ईमेल
itdcnewsmp@gmail.com

मध्य भारत का विश्वसनीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर न्यूज़

न्यूज ब्रीफ

माया सोनावणे ने 2 दशक पुराने गेंदबाज पॉल एडम्स की याद दिलाई

नई दिल्ली। आपने क्रिकेट फील्ड में बुमराह और मलिंगा की तरह अलग गेंदबाजी एक्शन वाले कई बॉलर देखे होंगे, लेकिन विमेंस क्रिकेट में ऐसा नजारा कम ही सामने आया है। हालांकि अब यह कमी भी पूरी होती दिखाई पड़ रही है।
आईपीएल 2022 के बीच महिला टी-20 चैलेंज के मुकाबले भी शुरू हो गए हैं। सुपरनोवास, ट्रेलब्लेजर्स और वेलोसिटी के बीच 4 मैचों की यह लीग खेली जा रही है। सुपरनोवास ने पहले मुकाबले में ट्रेलब्लेजर्स को 49 रनों से हराया, लेकिन दूसरे मैच में उसे वेलोसिटी के खिलाफ 7 विकेट की करारी हार मिली। सुपरनोवास और वेलोसिटी के बीच दूसरे मुकाबले में माया सोनावणे को खेलने का मौका मिला और उनका गेंदबाजी एक्शन चर्चा में आ गया है। माया दाएं हाथ की गेंदबाज हैं। वह अपने शरीर को तोड़-मरोड़ कर स्पिन डालती हैं। उनके बॉलिंग एक्शन का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। फैंस देखकर हैरान हैं और अलग-अलग तरह के रिएक्शन दे रहे हैं।
नीचे चला जाता है सिर:- वेलोसिटी के लिए खेलने वालीं माया सोनावणे लेग स्पिन गेंदबाजी करती हैं। गेंद डालने के समय उनका सिर नीचे चला जाता है। वह अपना घुटना भी काफी मोड़ती हैं। कप्तान ने 11वें ओवर में माया को पहली बार गेंदबाजी दी। पहली गेंद डालने के साथ ही वह चर्चा का केंद्र बन गईं।
सीनियर टी20 ट्रॉफी में किया था कमाल:- माया सोनावणे को महिला सीनियर टी-20 ट्रॉफी में शानदार गेंदबाजी करने की वजह से महिला टी20 चैलेंज में स्टार खिलाड़ियों के साथ खेलने का मौका मिला है। महाराष्ट्र की टीम सीनियर टी20 ट्रॉफी के फाइनल में पहुंची थी। उस टूर्नामेंट में माया ने 8 मैच में 11 विकेट लिए थे। वह सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली गेंदबाजों की लिस्ट में दूसरे नंबर पर रहीं।

लंबी रेस का घोड़ा है उमरान, फिटनेस बनाए रखी तो लंबा खेलेगा : गांगुली

नई दिल्ली। आईपीएल में अपनी तेज रफ्तार गेंदबाजी से सबको चौंकाने वाले उमरान मलिक ने बीसीसीआई प्रेसीडेंट और पूर्व खिलाड़ी सौरव गांगुली को भी अपना मुरीद बना लिया है। बुधवार को उमरान की सराहना करते हुए सौरव गांगुली ने कहा कि उमरान लंबी रेस का घोड़ा है। अगर वो इसी तरह तेज गेंदबाजी करता रहा और उसने अपनी फिटनेस भी बनाई रखी, तो वो भारत के लिए काफी लंबा खेल सकता है। सौरव ने उमरान की तेज रफ्तार गेंदबाजी की तारीफ तो की ही, साथ ही वे उसकी फिटनेस को लेकर भी कंसर्न दिखे। गांगुली ने कहा- उमरान का भविष्य उसके अपने हाथों में हैं। अगर वो फिट रहता है और इसी पेस पर गेंदबाजी कर पाता है तो मैं निश्चित रूप से कह सकता हूं कि वो लंबे समय तक भारत के लिए खेलेगा।

हर्षल ने खुद भी कहा कि वह चुनौतियों से नज़रें घुमाने में विश्वास नहीं रखते हैं

दबाव जब हद से गुज़रता है तो हर्षल याद आता है : डुप्लेसी

नई दिल्ली
रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के कप्तान फ़ाफ़ डुप्लेसी की नज़र में हर्षल पटेल ताश के पत्तों में जोकर कार्ड की तरह हैं जिसे सबसे अधिक ज़रूरत महसूस होने पर बाहर निकाला जाता है। आईपीएल 2022 के आगाज़ से पहले हर्षल ने डुप्लेसी से कहा था उन्हें मुश्किल ओवरों में गेंदबाज़ी करना भाता है। लखनऊ सुपर जायंट्स के ख़िलाफ़ खेले गए प्लेऑफ़ के मुक़ाबले में डुप्लेसी ने हर्षल के दो ओवरों को बाद के लिए बचा कर उन्हें कुछ वैसी ही जम्मिदारी दी। हर्षल का तीसरा ओवर बेहद महत्वपूर्ण और निर्णायक रहने वाला था, लखनऊ को तीन ओवरों में जीत के लिए 41 रनों की दरकार थी। उन्होंने वाइड के साथ ओवर की शुरुआत की और इसके बाद एक और वाइड फेंकी जो कि विकेटों के पीछे खड़े दिनेश कार्तिक के भी सिर के ऊपर से चली गई। नतीजन अब लखनऊ को तीन ओवरों में 35 रनों की ज़रूरत थी और मैदान में केएल राहुल और मार्कस स्टॉयनिस की मौजूदगी से यह लक्ष्य हासिल होने योग्य प्रतीत हो रहा था। हर्षल राउंड द विकेट वाइड यॉर्कर का प्रयास कर रहे थे लेकिन एक बार जब यह रणनीति काम नहीं आई तब वह वापस उसी योजना की ओर चले गए जो कि उन्होंने अपने पहले दो ओवरों के दौरान अपनाई थी। इस रणनीति के कारण हर्षल ने दो ओवरों में सिर्फ़ आठ रन ही ख़र्च किए थे। लिहाज़ा वह वापस स्लोअर गेंद डालने लगे और बल्लेबाज़ को अक्रॉस खेलने पर मजबूर करने लगे। यह रणनीति काम आई, स्टॉयिस, हर्षल की छोटी गेंद पर डीप प्वाइंट में रजत पाटीदार के हाथों लपक लिए गए। उस ओवर में गौर करने योग्य बात यह भी थी कि पहली दो गेंदों पर छह अतिरिक्त रन देने के बाद हर्षल के उस

ओवर में महज़ दो रन ही आए। जिसके फलस्वरूप लखनऊ को अब जीत के लिए 12 गेंदों में 33 रन बनाने थे। डुप्लेसी ने हर्षल की प्रशंसा में कहा, "वह पैक में जोकर कार्ड की तरह नहीं हैं? एक ऐसा ख़ास कार्ड जिसे आप सही मौक़े पर बाहर निकालते हैं। वह भारी दबाव में भी गेंदबाज़ी कर सकते हैं। जब भी मुझे दबाव सबसे अधिक महसूस होता है, मैं हर्षल का रुख़ करता हूं। हर्षल के साथ शुरुआती चर्चा में उन्होंने ख़ुद भी मुझसे यही कहा था कि वह महत्वपूर्ण ओवर डालना चाहते हैं। यह आत्मविश्वास अपने आप मे बहुत कुछ कहता है। आज उन्होंने महत्वपूर्ण ओवर डाले और सबसे महत्वपूर्ण उनका तीसरा ओवर था (लखनऊ की पारी का 18वां) जिसमें उन्होंने अकेले दम पर मैच का रुख़ पलट कर रख दिया। मैच की समाप्ति के बाद प्रेस कॉन्फ़्रेंस के दौरान हर्षल ने यह बात कबूली कि वह नर्वस थे, लेकिन उन्होंने अपनी रणनीति में स्पष्टता की बात भी कही ताकि परिस्थिति के अनुसार वह अपनी रणनीति में बदलाव कर सकें। हर्षल ने कहा, ज़ाहिर तौर पर मैं नर्वस था, इसमें कोई संदेह नहीं है। जब आप 18 गेंदों में 35 रनों का बचाव करने के लिए जाते हैं तो आपका नर्वस होना स्वभाविक है लेकिन जब मैंने वाइड के ज़रिए छह रन दे दिए तब मुझे मालूम पड़ गया कि वाइड यॉर्कर की रणनीति काम नहीं आने वाली है इसलिए मैं उस रणनीति पर वापस चला गया जो पहले दो ओवरों में मेरे काम आया था ताकि मैं स्टॉयनिस और राहुल को आउट कर सकूं। मुझे स्टॉयनिस का विकेट मिल गया और उन्होंने (हेज़लवुड) राहुल को आउट कर दिया। खेल वहीं बदल गया। बीते कुछ वक़्त मैं हर्षल की बड़ी ताक़त यही रही है कि वह खेल को बहुत अच्छे से पढ़ते हैं। अपने पहले दो ओवरों में हर्षल ने हार्ड लेंथ पर गेंदबाज़ी की और कटर गेंदों का भरपूर इस्तेमाल किया ताकि बल्लेबाज़ को लंबी बाउंड्री की तरफ़ खेलने के लिए मजबूर किया जा सके।

केएल राहुल ने गेल -वॉर्नर का रिकॉर्ड तोड़ा

आईपीएल में 4 बार 600 प्लस रन बनाने वाले बल्लेबाज बने; लगातार 5 सालों से हर साल

नई दिल्ली
आईपीएल के 15वें सीजन में उतरी लखनऊ सुपर जायंट्स बेशक फाइनल तक सफर तय नहीं कर सकी, पर कप्तान केएल राहुल जरूर अपने नाम एक रिकॉर्ड दर्ज कराने में सफल हुए हैं। राहुल चार सीजन में 600 प्लस रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। बुधवार को प्ले ऑफ के खेले गए एलिमिनेटर मुकाबले में लखनऊ को बेंगलुरु के हाथों 14 रन से हार सामना करना पड़ा। इसके साथ ही लखनऊ का पहले सीजन में ही खिताब पर कब्जा करने का सपना खत्म हो गया। वहीं इस मैच में कप्तान राहुल ने 58 गेंदों पर 79 रन की पारी खेल कर इस सीजन में 600 से ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बने। उन्होंने 15 मैचों में 2 शतकों के साथ 616 रन बनाए। उनका औसत 51.33 का रहा, जबकि स्ट्राइक रेट 135.38 है। इससे पहले उन्होंने 2021 मे 62.60 की औसत से 626 रन बनाए थे। इसमें 6 हाफ सेंचुरी शामिल थीं। वहीं स्ट्राइक रेट 138.80 का रहा। 2020 में भी उन्होंने 600 से ज्यादा रन बनाए थे। उन्होंने इस सीजन के 14 मैचों में 55.83 की औसत से 670 रन बनाए

साल	मैच	रन	औसत	स्ट्राइक रेट
2022	14	616	51.33	135.38
2021	13	626	62.60	138.80
2020	14	670	55.83	129.34
2019	14	593	53.90	135.38
2018	14	659	54.91	158.41

थे, जो उनके आईपीएल करियर में एक सीजन में सबसे ज्यादा रन भी हैं। उनका स्ट्राइक रेट 129.34 था। इस सीजन में एक शतक भी शामिल रहा। 2018 में उन्होंने 14 मैचों 54.91 की औसत से 659 रन बनाए। उनका स्ट्राइक रेट 158.41 रन रहा। 2019 में 7 रन से 600 रन पूरा नहीं कर सके। इस सीजन में 14 मैचों में 53.90 की औसत से 593 रन बनाए। अगर इसे जोड़ दिया जाए, तो आईपीएल में लगातार 5 साल तक 590 रन से ज्यादा रन बनाने वाले भी पहले बल्लेबाज हैं।

क्रिस गेल और वॉर्नर ने बनाए हैं, तीन सीजन में 600 से ज्यादा रन

राहुल के बाद वेस्टइंडीज के बल्लेबाज क्रिस गेल और ऑस्ट्रेलियाई ओपनर डेविड वॉर्नर ने आईपीएल के 3-3 सीजन में 600 से ज्यादा रन बनाए हैं। गेल ने लगातार तीन सीजनों 2011, 2012 और 2013 में 600 से ज्यादा रन बनाए हैं। गेल ने 2013 में 16 मैचों में 59 की औसत से 708 रन बनाए थे, जिसमें एक शतक और 4 अर्धशतक शामिल थे। उनका स्ट्राइक रेट 156.29 था। वहीं 2012 में 15 मैचों में उन्होंने 61 की औसत से 733 रन बनाए। यह उनके आईपीएल करियर के एक सीजन में सबसे ज्यादा रन भी हैं। उन्होंने इस सीजन में अपनी पारी में एक सेंचुरी और 7 हाफ सेंचुरी भी जड़ीं। उनका स्ट्राइक रेट 160.74 का रहा। वहीं 2011 में भी 12 मैचों में 67.55 की औसत से 608 रन बनाए। जिसमें 2 शतक और 3 अर्धशतक भी शामिल हैं। उनका स्ट्राइक रेट 183.13 था।

ज़िम्बाब्वे दौरे से संभालेंगे कार्यभार

अफ़ग़ानिस्तान के गेंदबाज़ी कोच बने उमर गुल

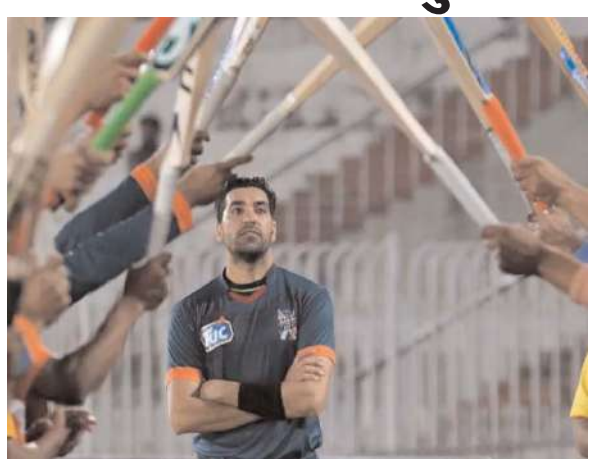

इस्लामाबाद
पाकिस्तान के पूर्व तेज़ गेंदबाज़उमर गुल को अफ़ग़ानिस्तान का गेंदबाज़ी कोच बनाया गया है। उनका शुरुआती कॉन्ट्रैक्ट एक साल का है। वह जून में ज़िम्बाब्वे दौरे पर पहली बार टीम के साथ होंगे। 4 जून से 14 जून के बीच होने वाले इस दौरे में तीन टी20 अंतर्राष्ट्रीय और तीन वनडे खेले जाएंगे। इससे पहले गुल पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) में क्वेटा ग्लैडिएटर्स के गेंदबाज़ी कोच थे। उन्हें अफ़ग़ानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) ने यूएई में अप्रैल में होने वाले अभ्यास कैंप के लिए गेंदबाज़ी सलाहकार नियुक्त किया था। अब उनकी इस ज़िम्मेदारी को स्थायी रूप दे दिया गया है। एसीबी ने एक प्रेस स्टेटमेंट जारी करते हुए कहा, अभ्यास कैंप में गुल ने प्रभावी कार्य किए और हमें अभी गेंदबाज़ी कोच की ज़रुरत भी है। इसलिए हमने निर्णय लिया है कि हम स्थायी कॉन्ट्रैक्ट देकर उन्हें गेंदबाज़ी कोच नियुक्त करेंगे।
47 टेस्ट (163 विकेट), 130 वनडे (179 विकेट) और 60 टी20 अंतर्राष्ट्रीय (85 विकेट) खेलने वाले 39 वर्षीय गुल ने अक्तूबर 2020 में सभी तरह के क्रिकेट से संन्यास लिया था।

पेरिस ओलिंपिक की तैयारी में जुटे नीरज चोपड़ा

फिनलैंड में बेस बनाकर करेंगे ट्रेनिंग, वहां 14 जून को होगी सबसे बड़े प्रतिद्वंद्वी जोनाथन वेटर से भिड़ंत

नई दिल्ली
टोक्यो ओलिंपिक के गोल्ड मेडलिस्ट जेवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा पेरिस ओलिंपिक की तैयारी फिनलैंड में बेस बनाकर करेंगे। चोपड़ा फिलहाल तुर्की में अभ्यास कर रहे थे। अब गुरुवार को वहां से सीधे फिनलैंड जाएंगे। वहां के कुओरताने ओलंपिक ट्रेनिंग सेंटर में 22 जून तक ट्रेनिंग करेंगे। वहीं इस बीच 14 जून को पावो नुर्मी खेलों में भाग लेंगे। उसके बाद वह स्टॉकहोम में कुओर्टेन गेम्स और फिर डायमंड लीग

में भाग लेंगे। उसके बाद अमेरिकर में 15 से 24 जुलाई तक होने वाली वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भाग लेंगे। फिनलैंड में होने वाली पावा नुर्मी गेम्स में 2017 वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप के गोल्ड मेडलिस्ट जोनाथन वेटर भी भाग लेंगे। वेटर 2019 वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप में ब्रॉन्ज मेडल जीत चुके हैं। जर्मनी के इस थ्रोअर का पर्सनल बेस्ट 97.96 मीटर है। नीरज चोपड़ा का पर्सनल बेस्ट 88.07 मीटर है। वह टोक्यो ओलिंपिक में 87.50 मीटर के साथ गोल्ड मेडल जीत चुके हैं। नीरज 10 महीने के बाद पावा नुर्मी गेम्स में मैदान पर उतरेंगे।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया में हो रही जमकर राजनीतिः लैंगर

नई दिल्ली
जस्टिन लैंगर ने ऑस्ट्रेलिया के कोच पद से हटने के लगभग तीन महीने बाद क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) में चल रहे जघन्य पॉलिटिक्स की निंदा की है। उन्होंने सीए के अंतरिम अध्यक्ष रिचर्ड फ़्रॉयडेंस्टाइन पर निशाना साधा है। लैंगर ने टी20 विश्व कप और ऐशेज़ दोनों में ऑस्ट्रेलिया की जीत सुनिश्चित करने के बावजूद अपने अनुबंध में केवल छह महीने की वृद्धि पाने पर फ़रवरी में इस्तीफ़ा दिया था।
उस दौरान यह अफ़वाह भी उड़ी थी कि टीम के वरिष्ठ खिलाड़ियों और लैंगर में बातचीत की कमी होने लगी है। लैंगर के साथ हुए व्यवहार पर मार्क वॉ, ऐडम गिलक्रिस्ट, रिकी पोंटिंग, स्टीव वॉ, मैथ्यू हेडन और शेन वॉर्न जैसे पूर्व खिलाड़ियों ने भी नाराज़गी जताई थी।
लैंगर ने बुधवार को कोच पद से हटने के एक दिन बाद फ़्रॉयडेंस्टाइन के साथ हुई बातचीत के बारे में बताते हुए कहा, उन्होंने पहली बात जो मुझसे बोली वह थी, आप को तो बड़ा मज़ा आ रहा होगा

कि आपके सारे पुराने दोस्त मीडिया में आपका समर्थन कर रहे हैं? मैंने कहा, जी हां लेकिन ये मेरे दोस्त होने के अलावा ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में भी शुमार हैं। ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट इन सब से ही बना है। यह पूरी दुनिया में इस खेल में काम करते आए हैं। ज़ाहिर सी बात है मैं ख़ुश हूं मेरे दोस्त मेरे समर्थक हैं। काश आप भी ऐसा कह पाते। इसके बाद लैंगर का नाम इंग्लैंड के कोचिंग पद से भी जोड़ा गया। हालांकि लैंगर ने स्पष्ट किया कि उनके जैसे ऑस्ट्रेलिया-प्रेमी के लिए चिर प्रतिद्वंदी इंग्लैंड खेमे का हिस्सा होना असंभव था। कोच के कार्यकाल से मिली सीख पर लैंगर बोले, तीन साल तक मैं पॉलिटिक्स से जूझता रहा। इससे आप थक जाते हैं। यह काम आपके शारीरक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए अच्छा नहीं है। एक चीज़ जो मैंने सीखा वह यह था कि अगर आप अपने डेस्क से सब कुछ हटा दें तो आपको बस दो ही चीजें नज़र आएंगी। एक है सब कुछ जीतना और दूसरा अपने लोगों के साथ सही व्यवहार रखना। उन्होंने आगे कहा, अगर आपके साथ लोगों का समर्थन रहे तो आप कुछ भी हासिल कर सकते हैं। अगर नहीं तो एक अकेलापन आ जाता है। नेतृत्व बड़ी एकाकी चीज़ है लेकिन इसे आसान लोगों का समर्थन बनाता है।

SUPER HERO

यदि आप

किसी भी व्यक्ति को जानते हैं
जिसने, सामाजिक सरोकार में
असाधारण प्रदर्शन किया हो,
वह व्यक्ति आप स्वयं भी हो सकते हैं,
दोनों स्थिति में हमें पूर्ण विवरण, भेजें।

हम देश के असली नायक
SUPER HERO MP 2021
SUPER HERO IND 2021
खोज रहें हैं, उन्हें समाज, राष्ट्र के सामने लाना और
सम्मान दिलवाना, आपका-हमारा सयुंक्त प्रयास रहेगा।

Contact: Editorial Desk (Lifestyle),
ITDC News, 9826 220022
Email: responseitdc@gmail.com

PRESS ITDC ITDC NEWS
www.itdcindia.com

न्यूज ब्रीफ

गोवा सरकार आईटी उद्योग के लिए श्रमशक्ति की उपलब्धता पर ध्यान देगी : मंत्री

नई दिल्ली। गोवा के सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री रोहन खुंटे ने कहा कि राज्य सरकार श्रमशक्ति की उपलब्धता और क्षेत्र विशेष के उद्योग की आवश्यकताओं के बीच जो अंतराल है उसे पाटने का काम करेगी। पणजी में आयोजित एक सत्र की अध्यक्षता करने के दौरान खुंटे ने अकादमिक क्षेत्र के लोगों, आईटी उद्योग और सरकारी अधिकारियों से कहा कि वे उद्योग की जरूरतों और मानव संसाधन के बीच जो दूरी है उसे समझने का प्रयास करें। उन्होंने कहा, ''इस अंतर को पाटने के लिए सभी हितधारकों को भरोसे में लेकर समाधान निकाला जाएगा। हम आईटी क्षेत्र में और निवेश आमंत्रित कर रहे हैं, वहीं हमें यह भी समझना होगा कि उस जरूरत को पूरा करने के लिए हमारे पास कुशल मानव संसाधन हैं या नहीं।''

किआ इंडिया ने इलेक्ट्रिक मॉडल ईवी6 की बुकिंग शुरू की

नई दिल्ली। वाहन विनिर्माता कंपनी किआ इंडिया ने बृहस्पतिवार को कहा कि देश में अपने पहले इलेक्ट्रिक मॉडल ईवी6 की बुकिंग उसने शुरू कर दी है। ईवी6 बिजली चालित वाहनों के लिए समर्पित मंच 'द इलेक्ट्रिक ग्लोबल मॉड्यूलर प्लेटफॉर्म (ई-जीएमपी)' पर आधारित है। इस साल भारत में ईवी6 की केवल 100 इकाइयां ही बेची जाएंगी जिन्हें पूर्ण रूप से निर्मित इकाई (सीबीयू) के रूप में लाया जाएगा। यह आयातीत मॉडल देश में अगले हफ्ते उतारा जाएगा। कंपनी ने एक बयान में कहा कि ईवी6 को तीन लाख रुपये की आरंभिक राशि देकर बुक किया जा सकता है। किआ इंडिया के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी ते जिन पार्क ने कहा, ''भारत का वाहन उद्योग परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है और इसमें सबसे आगे है किआ।'' ईवी6 एक बार में पूरी चार्ज होने पर 528 किलोमीटर तक चल सकती है और महज 5.2 सेकेंड में 100 किलोमीटर प्रति घंटे की गति ले सकती है।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया तीन पैसे चढ़ा

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में सकारात्मक रुख और विदेशों में अमेरिकी मुद्रा के कमजोर होने से रुपये को बल मिला और बृहस्पतिवार को रुपया शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले तीन पैसे बढ़कर 77.52 पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि विदेशी कोषों की निरंतर निकासी और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में कच्चे तेल की कीमतों में तेजी ने रुपये की बढ़त को सीमित कर दिया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 77.54 पर कमजोर खुला, और आगे बढ़त दर्ज करते हुए 77.52 के भाव पर आ गया, जो पिछले बंद के मुकाबले तीन पैसे की तेजी दर्शाता है। शुरुआती सौदों में रुपया 77.52 से 77.55 के दायरे में कारोबार कर रहा था। रुपया पिछले सत्र में अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले 77.55 के स्तर पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.04 प्रतिशत की गिरावट के साथ 102.01 पर आ गया। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड वायदा 0.51 प्रतिशत बढ़कर 114.61 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर था।

डायमंड की किल्लत के बीच सूरत को मिला मौका : ग्लोबल डिमांड बढ़ने से तीन साल में दोगुनी हो जाएगी देश की लैब ग्रोन डायमंड इंडस्ट्री

नई दिल्ली

दुनिया के 90 फीसदी से ज्यादा हीरों की कटिंग-पॉलिशिंग करने वाला सूरत कुछ महीनों से कुदरती रफ डायमंड की किल्लत का सामना कर रहा हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध के चलते पैदा हुई इस समस्या से निपटने के लिए शहर की डायमंड इंडस्ट्री ने लैब ग्रोन डायमंड (एलजीडी) का उत्पादन बढ़ाया है। इसके चलते अगले तीन वर्षों में इसका बिजनेस दोगुना बढ़कर 31 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा का हो जाने का अनुमान है। सूरत में 500 से ज्यादा लैब ग्रोन डायमंड मैन्युफैक्चरिंग यूनिट्स हैं और इनकी संख्या लगातार बढ़ रही है। नतीजतन भारत में दुनिया का करीब 15 फीसदी लैब ग्रोन डायमंड बनाया जाने लगा है। हालांकि चीन 56 फीसदी एलजीडी का

उत्पादन करता है, लेकिन भारत की रफ्तार तेज है। भंडेरी लैब ग्रोन डायमंड्स के चेयरमैन घनश्याम भंडेरी ने बताया कि दो-तीन वर्षों में ही भारत में एलजीडी का उत्पादन कुछ हजार कैरेट से बढ़कर 30 लाख कैरेट या लगभग 15,500 करोड़ रुपए का हो गया है।

कीमत 75 फीसदी तक कम होने से युवाओं के बीच बढ़ी डिमांड

- कुदरती हीरों की तुलना में लैब ग्रोन डायमंड करीब 75 फीसदी सस्ता होता है।
- 1 कैरेट कुदरती हीरे की कीमत में 2.15 कैरेट लैब ग्रोन डायमंड खरीदा जा सकता है।
- सस्ता होने से 21-40 की उम्र के लोगों के बीच ऐसे हीरों की मांग तेजी से बढ़ रही है।
- 1950 के दशक से ही दुनियाभर में लैब ग्रोन डायमंड बनाए जा रहे हैं।
- 2004 से भारत में शुरू हुआ कृत्रिम हीरों का उत्पादन, जो अब तेजी से बढ़ रहा है।

सेमी-कंडक्टर में भी इस्तेमाल

जेम्स एंड ज्वैलरी इंडस्ट्री के अलावा लैब ग्रोन डायमंड का इस्तेमाल सेमी-कंडक्टर, सैटेलाइट और 5-जी नेटवर्क जैसी टेक्नोलॉजी में भी होता है। ये सिलिकॉन चिप की तुलना में कम पावर में अधिक स्पीड से काम कर सकते हैं। पीएलआई स्कीम में शामिल करने की उठी मांग जेम्स एंड ज्वैलरी एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल के प्रेसिडेंट कोलिन शाह कहते हैं कि सरकार से लैब ग्रोन डायमंड इंडस्ट्री को पीएलआई स्कीम में शामिल करने की बात हुई है। इस इंडस्ट्री में 10 लाख रोजगार और 40,000 करोड़ रुपए से ज्यादा का निर्यात टर्नओवर हासिल करने की क्षमता है।

1 जून से महंगा हो जाएगा गाड़ियों का थर्ड पार्टी इंश्योरेंस

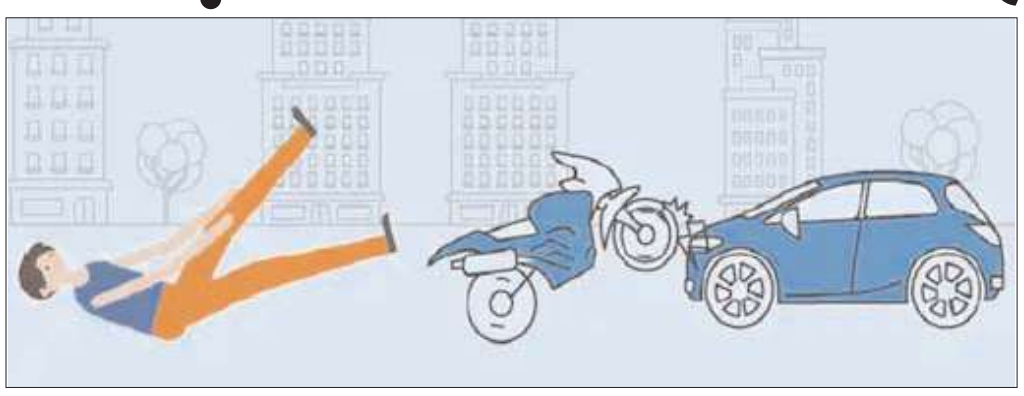

नई दिल्ली

अगले महीने यानी 1 जून से दोपहिया और चार पहिया वाहनों के साथ अन्य बड़े वाहनों का थर्ड पार्टी बीमा महंगा होने वाला है। यानी अब आपको थर्ड पार्टी बीमा के लिए ज्यादा प्रीमियम देना होगा। भारतीय बीमा और नियामक और विकास प्राधिकरण ने मोटर वाहनों के थर्ड पार्टी इंश्योरेंस की दरों को बढ़ाने को लेकर एक ड्राफ्ट तैयार किया है। 1 जून 2022 से नई दरें लागू हो सकती हैं।

थर्ड पार्टी इंश्योरेंस के लिए 1 जून से कितने रुपए चुकाने होंगे

फोर-व्हीलर के लिए॒ प्रस्तावित संशोधित दरों के अनुसार 1,000 ष्ष वाली निजी कारों पर 2,072 रुपए की तुलना में 2,094 रुपए की दर लागू होंगी। इसी तरह 1,000 ष्ष से 1,500 ष्ष वाली निजी कारों पर 3,221 रुपए की तुलना में 3,416 रुपए की दर होंगी, जबकि 1,500 ष्ष से ऊपर की कार के मालिकों को 7,890 रुपए की जगह 7,897 रुपए का प्रीमियम देना होगा।

टू-व्हीलर के लिए॒ दोपहिया वाहनों के मामले में 150 सीसी से 350 ष्ष तक के वाहनों के लिए 1,366 रुपए बतौर प्रीमियम देना होना, जबकि 350 ष्ष से अधिक के वाहनों के लिए प्रीमियम 2,804 रुपए होगा।

क्या है मोटर थर्ड पार्टी इंश?योरेंस?

थर्ड पार्टी यानी तीसरा पक्ष। पहला पक्ष वाहन मालिक, दूसरा वाहन चालक और दुर्घटना की स्थिति में पीड़ित व्यक्ति तीसरा पक्ष होता है। मोटर वाहन के सार्वजनिक स्थान पर उपयोग के दौरान वाहन से यदि कोई दुर्घटना होती है और किसी तीसरा पक्ष (थर्ड पार्टी) को जान-माल की हानि होती है तो वाहन का मालिक और उसका चालक इस नुकसान की क्षतिपूर्ति के लिए कानूनन बाध्य होते हैं। ऐसी स्थिति में आर्थिक मुआवज़े की भरपाई के लिए बीमा कंपनियां थर्ड पार्टी इंश?योरेंस करती हैं। बीमा होने पर मुआवज़े की राशि का भुगतान संबंधित बीमा कंपनी करती है।

इलेक्ट्रिक वाहनों पर प्रीमियम

30 केडब्ल्यू तक के नए प्राइवेट इलेक्ट्रिक वीकल (श्वङ्क) के लिए तीन साल का सिंगल प्रीमियम 5,543 रुपए का होगा। 30 से 65 किलोवाट अधिक क्षमता वाले ईवी के लिए यह 9,044 रुपए होगा। बड़े ईवी के लिए तीन साल का प्रीमियम 20,907 रुपए होगा। तीन किलोवाट तक के नए दोपहिया ईवी वाहनों का पांच साल का सिंगल प्रीमियम 2,466 रुपए होगा। इसी तरह 3 से 7 किलोवाट तक के दोपहिया ईवी वाहनों का प्रीमियम 3,273 रुपए और सात से 16 किलोवाट तक का प्रीमिय 6,260 रुपए होगा। ज्यादा क्षमता वाले ईवी दोपहिया वाहनों का पांच साल का प्रीमियम 12,849 रुपए होगा।

बैंकिंग नियमों में हुआ बदलाव

20 लाख से अधिक के लेन-देन के लिए पैन या आधार जरूरी

करंट अकाउंट के लिए भी देना होगा पैन

नई दिल्ली

26 मई से बैंक या पोस्ट ऑफिस में पैसों के लेन-देन के नियमों में बदलाव हुआ है। नए नियमों के मुताबिक किसी वित्त वर्ष में किसी बैंक या पोस्ट ऑफिस में 20 लाख रुपए या इससे अधिक की नगदी जमा करने पर पैन और आधार देना जरूरी होगा।

सेंट्रल बोर्ड ऑफ डायरेक्ट टैक्सेज ने इनकम टैक्स (15वां संशोधन) रूल्स, 2022 के तहत नए नियम तैयार किए हैं, जिसकी अधिसूचना 10 मई 2022 की तारीख में जारी हुई थी।

इन ट्रांजैक्शन में पैन या आधार की डीटेल्स देना जरूरी

एक वित्त वर्ष में किसी एक बैंकिंग कंपनी या एक कॉरपोरेटिव बैंक या किसी एक पोस्ट ऑफिस में एक या एक से अधिक खाते में नगद 20 लाख रुपए जमा करने पर।

एक वित्त वर्ष में किसी एक बैंकिंग कंपनी या एक को-ऑपरेटिव बैंक या एक पोस्ट ऑफिस में किसी एक या एक से अधिक खाते से 20 लाख रुपए की नगद निकासी पर।

बैंकिंग कंपनी, को-ऑपरेटिव बैंक या पोस्ट ऑफिस में चालू खाता या कैश क्रेडिट अकाउंट खोलने पर।

करंट अकाउंट खोलने के लिए पैन कार्ड जरूरी

अब किसी को भी करंट अकाउंट खोलने के लिए अपना पैन कार्ड दिखाना होगा। वहीं जिन लोगों का बैंक अकाउंट पहले से भी पैन से लिंक हैं, लेकिन लेनदेन के समय उन्हें भी इस नियम का पालन करना होगा।

शीर्ष अधिकारियों के वेतन में बढ़त

नई दिल्ली

कोविड-19 महामारी के बाद भारत की शीर्ष कंपनियों में प्रबंध निदेशकों, मुख्य कार्याधिकारियों (सीईओ) और मोटी रकम पाने वाले लोगों के वेतन में काफी इजाफा हुआ है। दूसरी तरफ कर्मचारियों के औसत वेतन में जरूर कमी आई है। पिछले दो वर्षों के दौरान भारत में शीर्ष कंपनियों के मुख्य कार्याधिकारी के वेतन में 2.6 प्रतिशत इजाफा हुआ है। यह वित्त वर्ष 2019 के 11.51 करोड़ रुपये से बढ़कर वित्त वर्ष 2021 में बढ़कर 11.81 करोड़ रुपये हो गया। मगर इन कंपनियों में कर्मचारियों का औसत वेतन कोविड महामारी से पूर्व के स्तर की तुलना में अब भी 0.5 प्रतिशत कम है। इन शीर्ष

कंपनियों में एक औसत कर्मचारी वित्त वर्ष 2021 में 6.4 लाख रुपये कमा रहा था जो वित्त वर्ष 2019 में 6.44 लाख रुपये था। इसका नतीजा यह हुआ कि कॉर्पोरेट क्षेत्र में महामारी के दौरान आय में असमानता बढ़ गई। ये आंकड़े दर्शाते हैं कि कॉर्पोरेट क्षेत्र में मुख्य कार्याधिकारियों एवं औसत कर्मचारियों के वेतन में अंतर बढ़ रहा है। कंपनियों में वेतन-भत्तों आदि पर नजर रखने वाली प्राइमइन्फोबेस डॉट कॉम के आंकड़ों के अनुसार वित्त वर्ष 2021 में किसी सीईओ का वेतन 11.81 करोड़ रुपये था जो किसी औसत कर्मचारी 6.4 लाख रुपये की तलना में 184 गुना अधिक था। यह अनुपात वित्त वर्ष 2020 की तुलना में 174.3 गुना और वित्त वर्ष 2019 की तुलना में 179 गुना अधिक है। यह विश्लेषक निफ्टी 100 सूचकांक में शामिल 76 कंपनियों में वेतन के आंकड़ों पर आधरित है। यह विश्लेषण दर्शाता है कि महामारी के बाद किस तरह शीर्ष अधिकारियों की वेतन संरचना बदल गई और यह सामान्य कर्मचारियों की तुलना में कई गुना बढ़ गई।

उधारी लक्ष्य में कोई बदलाव नहीं

केंद्र सरकार चालू वित्त वर्ष में 14.31 लाख करोड़ रुपये की सकल उधारी के अपने लक्ष्य पर टिकी रहेगी और पेट्रोल-डीजल पर उत्पाद शुल्क में कटौती के बाद राजस्व में नुकसान होने के बावजूद वह उधारी नहीं बढ़ाएगी। एक शीर्ष सरकारी अधिकारी ने आज बताया कि उत्पाद शुल्क में कटौती और खाद्य तथा उर्वरक पर अधिक व्यय के बाद भी उधारी कार्यक्रम में किसी तरह की तब्दीली नहीं की जाएगी। सरकार महंगाई के लक्ष्य में बदलाव करने के बारे में भी नहीं सोच रही है। नीति निर्माण से जुड़े अधिकारी ने बताया कि मुद्रास्फीति के लक्ष्य में संशोधन का अभी कोई प्रस्ताव नहीं है। उन्होंने यह भी बताया कि पूंजीगत व्यय के अपने वादे पूरे करने के लिए सरकार भारत की समेकित निधि से रकम निकालेगी। उन्होंने यह भी कहा कि सरकारी बैंकों के निजीकरण की योजना पटरी पर है और इस साल निजीकरण हो सकता है।

नाम नहीं छापने की शर्त पर संवाददाताओं से बात करते हुए अधिकारी ने बताया कि रुपये और रूबल में व्यापार के मसले पर रूस के साथ बातचीत जारी है। इसके अलावा वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) की दरें वाजिब बनाए जाने का काम कुछ समय बाद होगा। उन्होंने कहा, %अभी हमें बाजार से अतिरिक्त रकम उधार लेने की जरूरत नहीं दिखती। हम चालू वित्त वर्ष के लिए अपने उधारी कार्यक्रम पर बने रहेंगे।% जब पूछा गया कि वित्त वर्ष 2022-23 में राजकोषीय घाटे को सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 6.4 फीसदी पर समेटने में सफलता मिलेगी तो अधिकारी ने कहा कि सरकार को इसका रास्ता तलाशना होगा। केंद्र की इस वित्त वर्ष की पहली छमाही में बॉन्ड बाजारों से 8.45 लाख करोड़ रुपये उधार लेने की योजना है। पूरे वित्त वर्ष में कुल 14.31 लाख करोड़ रुपये उधार लिए जाएंगे। ईंधन पर उत्पाद शुल्क में कटौती के कारण राजस्व में करीब 85,000 करोड़ रुपये की कमी आएगी, जो केंद्र को ही झेलनी पड़ेगी क्योंकि उसने सड़क एवं बुनियादी ढांचा उपकर घटाया है। साथ ही रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण जिंस की कीमतें चढने से उर्वरक सब्सिडी के मद में भी मोदी सरकार को 1.10 लाख करोड़ रुपये अधिक खर्च करने पड़ेंगे। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना को सितंबर तक बढ़ाने के कारण खाद्य सब्सिडी पर भी 80 हजार करोड़ रुपये ज्यादा खर्च होंगे। हालांकि खुदरा महंगाई तेजी से चढ़ रही है मगर अधिकारी ने बताया कि मध्यम अवधि में मुद्रास्फीति का 4 फीसदी का लक्ष्य संशोधित करने की कोई योजना नहीं है। जीएसटी की दरें वाजिब बनाने पर अधिकारी ने कहा कि महंगाई में उछाल के कारण इसमें कुछ समय लग जाएगा क्योंकि दरें सही करने में कुछ वस्तुओं पर कर बढ़ाना पड़ेगा। इस समय 5, 12, 18 और 28 फीसदी की दर से जीएसटी वसूला जाता है। दरों के केवल तीन स्लैब रखने पर विचार किया जा रहा है। अधिकारी ने कहा कि 2019 से ही इसके लिए सही समय नहीं आ पा रहा है।

इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलप सेंटर न्यूज के लिए मालिक, मुद्रक एवं प्रकाशक राधिका वीरेंद्र, स्वामी- इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हलेपमेंट सेंटर इंडिया ईप्रेस द्वारा साई प्रिंटर्स, 91 जहांगीराबाद भोपाल से मुद्रित करवाकर, श्री परिसर, 23 पश्चिम निशातपुरा, डीआईजी बंगला, भोपाल से प्रकाशित। संपादक- राधिका वीरेंद्र। आरएनआई क्र. MPHIN/2018/77221, फोन- 0755-42223334, पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। (सभी विवादों का न्यायक्षेत्र भोपाल होगा।)